मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, मंगलवार, 17 मार्च 2026

संवत 2082, चैत्र कृष्ण 14 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 181, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ महिला आरक्षण का नया विमर्श: स्थानीय से राष्ट्रीय नेतृत्व की ओर

सिनर पहली बार इंडियन वेल्स चैंपियन, मेदवेदेव हराए वूमंस सिंगल्स में रायबाकिना को हराकर सबालेंका विजेता 6

जादू-टोने के शक में एक ही परिवार के तीन लोगों की निर्मम हत्या, मचा हड़कंप

गोड्डाः जिले से एक खौफनाक वारदात की खबर सामने आई है। यहां मंगलवार की सुबह जादू-टोने के शक में एक ही परिवार के तीन लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया। इस तिहरे हत्याकांड के बाद से पूरे क्षेत्र में सनसनी और दहशत का माहौल है।

मिली जानकारी के अनुसार, गोड्डा जिले के देवदांड में मंगलवार तड़के खौफनाक वारदात को अंजाम दिया गया है। मृतकों की पहचान दरबारी मुर्मू, जीतराम मुर्मू और मकु बासकी के रुप में हुई हैं। आरोप है कि गांव के ही कुछ लोगों को इस परिवार पर लंबे समय से 'जादू-टोना' करने का संदेह था। इसी सनक में हमलावरों ने धारदार हथियारों के साथ पीड़ित के घर पर धावा बोल दिया। हमलावरों ने उन पर ताबड़तोड़ प्रहार कर दिए। परिवार के तीनों सदस्यों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हत्याकांड को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना के बाद ग्रामीणों के बीच अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही देवदाद थाना पुलिस दलबल के साथ घटना स्थल पर पहुँची। पुलिस ने खून से लथपथ तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने मौके का मुआयना किया और फॉरेंसिक टीम की मदद से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस ने गांव के कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस घटना की गंभीरता से जांच कर रही है।

स्टोन चिप्स लदे ट्रैक्टर की चपेट में आने से बाइक सवार की मौत, रोड जाम

साहिबगंजः जिले के राधानगर थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे ने इलाके को स्तब्ध कर दिया। उधवा कचहरी पुल से पियारपुर बाजार जाने वाली मुख्य सड़क पर स्टोन चिप्स लदे ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई।

यह हादसा मंगलवार सुबह करीब 7 बजे हुआ। जानकारी के अनुसार, ट्रैक्टर (संख्या जेएच 17 एडी 3732) चिप्स लादकर उधवा पुल से पियारपुर की ओर जा रहा था। उसी दौरान कटहलबाड़ी बाजार निवासी 35 वर्षीय अनसारूल मोमिन अपनी हीरो स्प्लेंडर प्लस (संख्या जेएच 18 जे 2022) बाइक से उधवा चौक की ओर जा रहे थे। इसी बीच अचानक ट्रैक्टर की चपेट में आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रैक्टर सड़क किनारे पलट गया। हादसे में बाइक सवार अनसारूल मोमिन को गंभीर चोटें आईं और उन्होंने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और देखते ही देखते लोगों की भीड़ जमा हो गई।

मृतक अनसारूल मोमिन मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके असमय निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। वे अपने पीछे तीन पुत्रियों और एक पुत्र को छोड़ गए हैं। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

घटना की सूचना मिलते ही राधानगर थाना के पुलिस अवर निरीक्षक शिवानंद प्रसाद दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की प्रक्रिया शुरू कर दी है। साथ ही दुर्घटना के कारणों की जांच भी की जा रही है।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तैनात हुई इंडियन नेवी वॉरशिप से एस्कॉर्ट कर रहे तिरंगा लगे जहाज

एजेंसी/नई दिल्लीः ईरान युद्ध की वजह से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के जरिए पास होने वाले जहाजों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा। इसकी वजह से भारत में तेल और गैस का संकट पैदा होने लगा था, हालांकि सरकार ने इससे इनकार किया था। लेकिन अब अपने जहाजों की सुरक्षा के लिए भारतीय नौसेना ने अपने वॉरशिप होर्मुज स्ट्रेट में तैनात किए हैं।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में भारतीय नेवी को दो युद्धपोत टास्क फोर्स के तहत तैनात किए गए हैं। भारत ने ईरान के पास यह तैनाती होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले गैस और कच्चा तेल लेकर आ रहे व्यापारी जहाजों और टैंकरों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए की है। भारतीय नौसेना एस्कॉर्ट किए जा रहे जहाजों को हर संभव सहायता और सुरक्षा प्रदान कर रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान ने अपने तीन टैकरों की अदला-बदली की बात कही है। दरअसल भारत ने पहले इन टैंकरों को जब्त किया था। ईरान इनके बदले सुरक्षित मार्ग देने पर राजी हुआ है। इसके तहत भारतीय ध्वज वाले या भारत की ओर आने वाले जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित गुजरने दिया जाएगा।

अवैध कार्यों में लिप्त थे ईरानी जहाजः रिपोट्र्स के मुताबिक, भारतीय अधिकारियों का आरोप था कि ये जहाज अपनी पहचान छिपा रहे थे या बदल रहे थे और समुद्र में अवैध शिप-टू-शिप ट्रांसफर में शामिल थे। जब्त किए गए टैंकरों में डामर स्टार, अल जाफजिया और स्टेलर रूबी शामिल हैं। इनमें से स्टेलर रूबी ईरानी ध्वज वाला है, जबकि बाकी दो जहाज निकारागुआ और माली के झंडे के तहत रजिस्टर्ड हैं।

ईरान ने दवाइयों की भी की है मांग : तीन जहाजों के अलावा, तेहरान ने कुछ दवाइयों और चिकित्सा उपकरणों की आपूर्ति की भी मांग की है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान के राजदूत ने सोमवार को नई दिल्ली में भारतीय विदेश मंत्रालय के अधिकारियों से इस मुद्दे पर मुलाकात की।

भारत पहुंचा एक जहाज, एक आज आएगाः इस बीच, भारतीय एलपीजी कैरियर शिवालिक सोमवार शाम गुजरात के मुंद्रा पोर्ट पर पहुंच गया। यह लगभग 40,000 मीट्रिक टन तरलीकृत पेट्रोलियम गैस लेकर आया है। यह जहाज सोमवार देर रात या आज मंगलवार सुबह होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित पार करने के बाद बंदरगाह पर पहुंचा। बंदरगाह से जारी बयान के अनुसार, इसमें से 20,000 मीट्रिक टन एलपीजी मुंद्रा बंदरगाह पर उतारी जाएगी, जबकि 26,000 मीट्रिक टन एलपीजी मंगलुरु में उतारी जाएगी।

बस और ट्रक के बीच टक्कर : पांच की मौत, पांच से अधिक घायल

हनुमानगढ़ः राजस्थान में हनुमानगढ़ जिले के रावतसर थाना क्षेत्र में मेगा हाईवे पर मंगलवार सुबह बस और ट्रक की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई और पांच से अधिक यात्री घायल हुए हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि निजी बस श्रीगंगानगर से जयपुर के लिए सुबह पांच बजे रवाना हुई थी। यह बस हनुमानगढ़ में बरमसर के पास एक वाहन से आगे निकलने के प्रयास में विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक से टकरा गई। इससे बस में सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि पांच से अधिक लोग घायल हो गए।

पुलिस ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही रावतसर के पुलिस उपाधीक्षक सुभाष गोदारा, थाना प्रभारी ईश्वरानन्द पुलिसकर्मियों सहित मौके पर पहुंचे और एम्बुलेंस की मदद से घायलों को रावतसर के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने बताया कि गंभीर घायलों को हनुमानगढ़ टाउन में जिला चिकित्सालय भेजा गया है। शव रावतसर के सरकारी अस्पताल में सुरक्षित रखवा दिये गए हैं। पुलिस उनकी पहचान के प्रयास कर रही है। मौके पर रावतसर के उपखंड अधिकारी संजय कुमार और अन्य अधिकारी भी पहुंचे।

बिहार में एनकाउंटर, दो अपराधी और एक जवान की मौत

पुलिस को मिली धमकी 15 पुलिसवालों को मारूंगा

पटनाः मोतिहारी के चकिया थाना इलाके के सिहोरवा मठ के पास पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हो गई। घटना सोमवार देर रात की है। करीब एक घंटे तक चली इस मुठभेड़ में एक जवान की मौत भी हो गई। जबकि दो कुख्यात अपराधी मारे गए। मृत अपराधियों की पहचान सिहोरवा मठ निवासी कुंदन ठाकुर और दिव्यांशु दुबे के रूप में की गई है।

अपराधियों ने दी थी धमकीः मुठभेड़ के बाद घटनास्थल से पुलिस ने एक कार्बाइन और भारी मात्रा में गोलियां बरामद की हैं। दोनों अपराधियों पर आर्म्स एक्ट में केस दर्ज थे। बताया जा रहा है कि अपराधियों ने पुलिस को फोन कर धमकी दी थी। अपराधियों ने कहा था, न्यूज में चल रहा है कि मुठभेड़ में एक बदमाश घायल। अगली न्यूज क्या होगी पता है? पुलिस-अपराधी के बीच मुठभेड़ में 10 से 15 पुलिस की मौत। अपराधी फरार।

इस तरह अपराधियों तक पहुंची पुलिसः अपराधियों की इस धमकी के बाद ही पुलिस ने नंबर ट्रेस करना शुरू कर दिया। इसके बाद पुलिस को लोकेशन का पता चला। लोकेशन मिलते ही पुलिस की टीम और एसटीएफ वहां पहुंची और अपराधियों को घेर लिया। इसी दौरान अपराधियों ने पुलिस को देख उन पर फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने भी मोर्चा संभाला।

दोनों तरफ से ताबड़तोड़ गोलीबारी हुई, जिसमें कुंदन और दिव्यांशु की मौत हो गई। इसके साथ ही फायरिंग में एक जवान की भी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, इस दौरान दोनों अपराधी के साथी मौके से फरार हो गए। फिलहाल, इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है और पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

सीने पर लगाई पिस्टल और दबा दिया ट्रिगर रील के चक्कर में युवक की गई जान

नई दिल्लीः पूर्वी दिल्ली के न्यू अशोक नगर में पिस्तौल के साथ स्टंट वीडियो रिकॉर्ड करते समय युवक की गोली लगने से मौत हो गई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि वीडियो बनाते समय युवक पवन कुमार ने पिस्तौल में मैगजीन डाली और इसके बाद इसे अपनी छाती पर रखकर ट्रिगर दबा दिया। गोली सीधे उसके दिल में लगी और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना 16 मार्च की है और न्यू अशोक नगर पुलिस स्टेशन को धर्मशिला अस्पताल से एक ऐसे युवक के बारे में सूचना मिली थी जिसे गोली लगी थी। उन्होंने बताया कि पुलिस की एक टीम तुरंत अस्पताल भेजी गई, जहाँ पीड़ित, पवन कुमार को मृत घोषित कर दिया गया। जांच के दौरान पता चला कि यह घटना दल्लूपुरा गांव में हुई थी। अपराध और फोरेंसिक टीमों ने घटनास्थल और अस्पताल, दोनों जगहों की जांच की और अहम सबूत जुटाए। शुरूआती जांच से पता चलता है कि पवन कुमार ने कथित तौर पर अपने चचेरे भाई हिमांशु की लाइसेंसी पिस्तौल से खुद को गोली मार ली। हिमांशु उस समय घटनास्थल पर मौजूद था और कथित तौर पर वीडियो रिकॉर्ड कर रहा था। पुलिस ने पिस्तौल, 10 कारतूस और घटना का वीडियो वाला एक मोबाइल फोन जब्त कर लिया है। फुटेज में कथित तौर पर मृतक को खुद हथियार संभालते हुए देखा जा सकता है। पुलिस ने बताया कि बीएनएस की धारा 105 और आर्म्स एक्ट के संबंधित प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच जारी है।

ईरान का अमेरिका को ओपन चैलेंज, कहा-

हिम्मत है तो फारस की खाड़ी में उतर कर दिखाओ

एजेंसी/ तेहरानः ईरान-अमेरिका युद्ध के तीसरे सप्ताह में प्रवेश करने के साथ ही पश्चिम एशिया में तनाव तेजी से और बढ़ रहा है। अमरीका के सबसे उन्नत विमानवाहक पोत यूएसएस जेराल्ड आर फोर्ड को क्षेत्र में तैनात किया गया है, जिसके जवाब में ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी जारी की है। आईआरजीसी के प्रवक्ता अली मोहम्मद नैनी ने एक बयान में कहा कि अब तक युद्ध में इस्तेमाल की गई मिसाइलें कम से कम 10 साल पुरानी हैं। उन्होंने दावा किया कि पिछले साल जून में अमेरिका -इजरायल संघर्ष के बाद विकसित नए हथियारों का जखीरा अभी तक तैनात नहीं किया गया है। नैनी ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान के पूर्ण नियंत्रण की बात दोहराते हुए कहा कि अगर दुश्मन हमारी नौसेना को नष्ट करने का दावा करता है, तो वे अपने युद्धपोतों को फारस की खाड़ी में लाने की हिम्मत करें। दरअसल, अमेरिका राष्ट्रपति कई बार कह चुके हैं कि ईरान की सेना को तबाह कर दिया है। नौसेना अब किसी काम की नहीं है।

ऐसे में नैनी का नया बयान राष्ट्रपति ट्रंप को जवाब के तौर पर देखा जा रहा है। साथ ही इसे ओपन चैलेंज भी बताया जा रहा है। बता दें कि ईरान युद्ध शुरू होने के साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों का आवागमन बुरी तरह प्रभावित हुआ है, जो विश्व के लगभग एक-पांचवें हिस्से के कच्चे तेल परिवहन का प्रमुख मार्ग है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस संकट को दूर करने के लिए सात देशों से संपर्क किया और उन्हें जलडमरूमध्य में युद्धपोत भेजने का आग्रह किया, लेकिन जापान और ऑस्ट्रेलिया ने इसमें भाग लेने से इनकार कर दिया है। जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने सोमवार को कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच जापान ने जहाजों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए नौसैनिक पोत भेजने का कोई निर्णय नहीं लिया है। सुश्री ताकाइची ने संसद में कहा कि सरकार अभी भी इस बात की जांच कर रही है कि जापान की कानूनी संरचना के अंदर क्या-क्या कदम उठाए जा सकते हैं और वह स्वतंत्र रूप से क्या कार्रवाई कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा जहाज भेजने के संबंध में अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया है।

जंग को 17 दिन बीते, फिर भी सत्ता नहीं बदल पाए ट्रंप,एक्सपट्र्स बोले- ईरान में बाजी पलटने की ताकत

नई दिल्ली : ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल की जंग को 17 दिन हो चुके हैं, लेकिन अभी तक इसका स्पष्ट नतीजा सामने नहीं आया है। इस बीच खबरें हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप जल्द ही ईरान पर जीत का दावा कर सकते हैं। हालांकि अंतिम परिणाम काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेगा कि ईरान आगे कौन सा कदम उठाता है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, अगर ईरान इस युद्ध को जारी रखता है, जहाजों पर हमले नहीं रोकता या अमेरिका-इजरायल को इसी तरह जवाब देता रहता है, तो संघर्ष जल्द खत्म होने की संभावना कम है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान की नौसेना के बड़े हिस्से को नुकसान पहुंचा है और उसकी कई मिसाइलें भी नष्ट हो चुकी हैं। इसके अलावा ईरान के कुछ शीर्ष सैन्य नेता भी मारे जाने की खबर है।

हालांकि ट्रंप का राजनीतिक उद्देश्य अभी पूरा नहीं हुआ है। वह कई बार ईरान में सत्ता परिवर्तन की बात कर चुके हैं, लेकिन अभी तक वहां ऐसा नहीं हुआ है। दूसरी ओर, ईरान ने रणनीतिक रूप से बेहद अहम स्ट्रीट ऑफ होमुर्ज पर नियंत्रण बनाए रखा है, जिससे वैश्विक तेल बाजार में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि ईरान अभी भी स्थिति को पलटने की क्षमता रखता है।

अमेरिका में भी दिख रहा जंग का असरः इस युद्ध का असर अमेरिका के भीतर भी दिखाई देने लगा है। हमलों के बाद से पेट्रोल की कीमतों में लगभग 25 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है। किसानों के लिए उर्वरक महंगे हो गए हैं और अब तक 13 अमेरिकी सैनिकों की मौत की खबर है।

यह स्थिति ट्रंप के लिए राजनीतिक रूप से मुश्किलें खड़ी कर रही है। उनकी अपनी पार्टी के कुछ नेता अब युद्ध खत्म कर अर्थव्यवस्था पर ध्यान देने की सलाह दे रहे हैं। वहीं इसी साल अमेरिका में मिडटर्म चुनाव भी होने हैं, जिससे यह मुद्दा और अधिक राजनीतिक रूप से संवेदनशील हो गया है।

न्यूज IN ब्रीफ

चतरा नगर परिषद में अध्यक्ष व वार्ड पार्षदों का हुआ शपथ ग्रहण

चतरा: समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में सोमवार को चतरा नगर परिषद के नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षदों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त द्वारा नवनिर्वाचित अध्यक्ष अताउर रहमान उर्फ बाबू भाई तथा सभी वार्ड पार्षदों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। समारोह में संबंधित जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।शपथ ग्रहण के उपरांत नगर परिषद के उपाध्यक्ष पद के लिए निर्धारित प्रक्रिया के तहत चुनाव संपन्न कराया गया। उपाध्यक्ष पद के लिए वार्ड संख्या 18 के वार्ड पार्षद प्रेमचंद साव तथा वार्ड संख्या 11 की वार्ड पार्षद श्रीमती वेदवती जायसवाल द्वारा नामांकन दाखिल किया गया था। मतदान के पश्चात मतगणना कराई गई, जिसमें प्रेमचंद साव को 13 मत प्राप्त हुए, जबकि वेदवती जायसवाल को 8 मत मिले। एक मत अमान्य घोषित किया गया। बहुमत प्राप्त होने पर प्रेमचंद साव को चतरा नगर परिषद का उपाध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया। इस अवसर पर अपर समाहर्ता सह निवार्ची पदाधिकारी उपाध्यक्ष अरविंद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी चतरा जहूर आलम सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

मोहना टोली में पांच कुंडी गायत्री महायज्ञ का भव्य आयोजन, उमड़ी भीड़

खूंटी : जिले के मोहना टोली में मुहल्ले वासियों के सहयोग से पांच कुंडी गायत्री महायज्ञ का भव्य आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन में क्षेत्र के काफी संख्या में श्रद्धालुजन शामिल हुए और पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम की शुरूआत सारे तीर्थ धाम आपके चरणों में, हे गुरुदेव प्रणाम आपके चरणों में जैसे भक्ति संगीत से की गई, जिससे पूरा माहौल श्रद्धा और भक्ति से सराबोर हो गया। इस अवसर पर शांतिकुंज हरिद्वार से प्रशिक्षित परिव्राजक चंदन मोदी ने वेदमंत्रों के सस्वर उच्चारण के साथ पूरे यज्ञीय कर्मकांड को संपन्न कराया। कार्यक्रम के दौरान गुरु आवाहन, मां गायत्री आवाहन और देव आवाहन के साथ विधिवत कर्मकांड की शुरूआत की गई। इसके बाद उपस्थित श्रद्धालुओं ने गायत्री महामंत्र और महामृत्युंजय मंत्र के उच्चारण के साथ यज्ञकुंड में आहुतियां अर्पित कीं। इस दौरान परिव्राजक चंदन मोदी ने यज्ञ की महिमा और इसके जीवन पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संपूर्ण प्रकृति प्रतिक्षण यज्ञ करती है और यह हमें भी यज्ञमय जीवन जीने की प्रेरणा देती है। कार्यक्रम का समापन पूणार्हुति और आरती के साथ किया गया। इसके बाद सभी श्रद्धालुओं के बीच खिचड़ी प्रसाद का वितरण किया गया।

लेम्ह पंचायत भवन में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

चतरा : सदर प्रखंड क्षेत्र के लेम्ह पंचायत भवन में सोमवार को आरबी हॉस्पिटल एंड डायग्नोस्टिक सेंटर चतरा के तत्वावधान में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 150 मरीजों का निःशुल्क स्वास्थ्य जांच किया गया। शिविर में 80 ग्रामीणों का निशुल्क आयुष्मान कार्ड भी बनाया गया। इस दौरान जांच शिविर में आने वाले मरीजों का ब्लड के साथ साथ ईसीजी आदि का जांच कराया गया। शिविर में आए मरीजों के बीच जरूरत के हिसाब से निःशुल्क दवाइयों का भी वितरण किया गया। शिविर में आने वाले अधिकांश मरीज मौसमी बीमारी से प्रभावित पाए गए। जिसमें सर्दी खांसी बुखार आदि से पीड़ित अधिक व्यक्ति थे। शिविर में डॉ नितिन ने मरीजों की जांच किया। मौके पर लेम्ह पंचायत के मुखिया राकेश कुमार सिंह आरबी हॉस्पिटल के डायरेक्टर विनय केसरी, स्वास्थ्य कर्मी निशांत कुमार, विनिता कुमारी, नीतू कुमारी विशाल कुमार अव अन्य उपस्थित थे।

सेवानिवृत्त पंचायत सचिव का निधन

चतराः कान्हाचट्टी प्रखण्ड के मंझोलिया गांव निवासी सह भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष मनोज सिंह के पिता नरेश सिंह का मंगलवार की सुबह पांच बजे इलाज के दौरान रांची में निधन हो गया।वह पिछले चार पांच माह से अस्वस्थ थे और रांची के निजी अस्पताल में इलाज करवा रहे थे। उनके निधन की खबर से शुभ चिंतकों में शोक की लहर फैल गई है।पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, स्वर्गीय नरेश सिंह का पार्थिव शरीर आज उनके पैतृक गांव मंझोलिया लाया जाएगा। दोपहर 3 बजे स्थानीय श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।उनके निधन पर क्षेत्र के कई वरिष्ठ नेताओं, जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों और बुद्धिजीवियों ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है। शोक व्यक्त करने वालों ने कहा कि नरेश सिंह एक मिलनसार प्रवृति के व्यक्ति थे।

प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत सड़क और पुल निर्माण की मिली स्वीकृति

चतरा : चतरा लोकसभा क्षेत्र के लिए एक बड़ी विकासात्मक सौगात मिली है। क्षेत्र के सांसद कालीचरण सिंह जी के निरंतर प्रयासों के फलस्वरूप केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत सड़क और पुल निर्माण की स्वीकृति मिली है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा भेजे गए पत्र के अनुसार चतरा लोकसभा क्षेत्र में कुल 127.69 करोड़ रुपये की लागत से 11 सड़कों (कुल लंबाई 37.154 किलोमीटर) और 32 पुलों के निर्माण को मंजूरी दी गई है। इस स्वीकृति के बाद क्षेत्र के कई ग्रामीण इलाकों में सड़क और पुल निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। लंबे समय से जिन गांवों में आवागमन की समस्या बनी हुई थी, वहां अब बेहतर सड़क संपर्क उपलब्ध हो सकेगा। इससे लोगों को आने-जाने में काफी सुविधा मिलेगी। सड़क और पुल बनने से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को बाजार, अस्पताल, स्कूल और अन्य जरूरी स्थानों तक पहुंचने में आसानी होगी। किसानों को अपनी उपज बाजार तक ले जाने में सहूलियत मिलेगी, वहीं व्यापारियों और आम लोगों के लिए भी आवाजाही पहले से बेहतर हो जाएगी। बेहतर सड़क संपर्क बनने से क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास को भी नई गति मिलने की उम्मीद है। ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्य बढ़ने से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे और लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पहले से अधिक आसान होगी। इस संबंध में सांसद कालीचरण सिंह ने कहा कि उनका लगातार प्रयास है कि चतरा लोकसभा क्षेत्र के हर गांव तक विकास की रोशनी पहुंचे और लोगों को बेहतर सड़क, पुल और अन्य बुनियादी सुविधाएं मिलें। आने वाले समय में भी क्षेत्र के विकास के लिए इसी तरह प्रयास जारी रहेंगे। सांसद श्री सिंह ने इस महत्वपूर्ण स्वीकृति के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग से चतरा लोकसभा क्षेत्र में विकास कार्य लगातार आगे बढ़ रहे हैं।

रामनवमी, सरहुल व ईद को लेकर सदर थाना में शांति समिति की बैठक

त्योहार के दौरान विधि व्यवस्था बनाए रखने की अपील

संवाददाता

चतरा : सदर थाना में सोमवार को रामनवमी, सरहुल व ईद को लेकर शांति समिति की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता सदर थाना प्रभारी अवधेश कुमार सिंह ने की। बैठक में अंचलाधिकारी अनिल कुमार, बीडीओ हरिनाथ महतो सहित शहर के कई रामनवमी पूजा समिति के अध्यक्ष, सचिव उपस्थित थे। बैठक में उपस्थित शांति समिति के सदस्यों को त्योहार के दौरान विधि व्यवस्था बनाए रखने में जिला एवं पुलिस प्रशासन का सहयोग करने की बात कही गई। सप्तमी से लेकर नौमी तक कुछ रास्ते को वन वे करने, रामनवमी जुलूस का समय सीमा तय करने, सफाई कर्मी नियुक्त करने, बैरिकेटिंग, लाइट व पेयजल की व्यवस्था करने पर सहमति बनी। थाना प्रभारी अवधेश कुमार सिंह ने पूजा समिति व उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि समाज के बुद्धिजीवी वर्ग के लोग शांति व सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्योहार को मनाते हैं। लेकिन कुछ उपद्रवियों द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर गलत अफवाह फैला कर सामाजिक समरसता बिगाड़ने का प्रयास किया जाता है। उन्होंने लोगों से सोशल मीडिया पर फैलने वाले अफवाहों से बचने की अपील किया। उन्होंने कहा कि रामनवमी के साथ-साथ मुस्लिम धर्मावलंबियों का पवित्र माह रमजान चल रहा है। अच्छे नागरिक की तरह हम एक दूसरे के त्यौहार का सम्मान करें। ऐसा कोई भी काम नहीं करें जिससे सामने वाले लोगों को परेशानी हो। उन्होंने कहा कि यदि त्यौहार के दौरान किन्हीं को किसी भी तरह की सूचना प्राप्त होती है तो वह इसकी सूचना पुलिस प्रशासन को दें। कोई व्यक्ति कानून को अपने हाथ में नहीं लें। पुलिस प्रशासन त्योहारों को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करने के लिए कटिबद्ध है।

ईद, सरहुल और रामनवमी को लेकर शांति समिति की बैठक

सौहार्दपूर्ण माहौल में सभी पर्व मनाने की अपील

संवाददाता

खूंटी : आगामी ईद, सरहुल और रामनवमी जैसे महत्वपूर्ण पर्वों को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और आपसी भाईचारे के साथ मनाने को लेकर खूंटी में शांति समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और विभिन्न धार्मिक-सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और त्योहारों की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी दीपेश कुमारी ने की। इस दौरान अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वरुण रजक, नगर पंचायत अध्यक्ष रानी टूटी, खूंटी थाना प्रभारी अशोक कुमार सिंह, केंद्रीय रामनवमी महासमिति के अध्यक्ष अनूप साहू, महासमिति के महामंत्री जितेंद्र कश्यप, भाजपा जिला अध्यक्ष आनंद कुमार, अंजुमन इस्लामिया के अध्यक्ष खालिद हुसैन, शमशाद, सयूम अंसारी, किशोर गौंझू सहित कई वरीय पुलिस-प्रशासनिक अधिकारी और सेंट्रल मोहर्रम कमिटी व सरहुल समिति के प्रतिनिधि मौजूद रहे। बैठक में आने वाले तीनों पर्वों को लेकर कई अहम निर्णय लिए गए। बताया गया कि इस वर्ष सरहुल की शोभायात्रा 21 मार्च को निकाली जाएगी, जिसके लिए शोभायात्रा मार्ग पर विस्तार से चर्चा की गई। शोभायात्रा के दौरान सुरक्षा और सुचारू व्यवस्था बनाए रखने के लिए उस मार्ग पर कुछ समय के लिए वाहनों का परिचालन बंद रखा जाएगा। इसके साथ ही संभावना जताई गई कि इस बार ईद भी 21 मार्च को ही मनाई जा सकती है, जिसको लेकर भी बैठक में सुझाव और तैयारियों पर चर्चा हुई। वहीं रामनवमी पूजा और जुलूस को लेकर केंद्रीय रामनवमी महासमिति के महामंत्री जितेंद्र कश्यप ने विस्तृत जानकारी दी और प्रशासन से आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। प्रशासन की ओर से त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी कई महत्वपूर्ण कदमों की जानकारी दी गई। बताया गया कि पूरे शहर में सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन से निगरानी की जाएगी। इसके अलावा महिला पुलिसकर्मियों की पर्याप्त तैनाती की जाएगी ताकि महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। नगर क्षेत्र में साफ-सफाई, बिजली और पानी की निर्बाध व्यवस्था बनाए रखने पर भी जोर दिया गया। साथ ही किसी भी तरह की अशांति फैलाने वाले आपराधिक तत्वों पर सख्त नजर रखने की बात कही गई। बैठक के अंत में अनुमंडल पदाधिकारी दीपेश कुमारी ने सभी समुदायों से अपील की कि वे ईद, सरहुल और रामनवमी जैसे पवित्र पर्वों को हर्षोल्लास, आपसी भाईचारा और प्रेम के साथ मनाएं, ताकि खूंटी जिले की सामाजिक एकता और सौहार्द की परंपरा कायम रहे।

जनगणना 2027 को लेकर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

संवाददाता

खूंटी : भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण के तहत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य को लेकर जिला/चार्ज अधिकारियों एवं तकनीकी सहायकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण का शुभारंभ उपायुक्त आर रॉनिटा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 18 मार्च तक संचालित होगा। इस अवसर पर अपर समाहर्ता, जनगणना निदेशालय के उप निदेशक, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को प्रशिक्षण को गंभीरता से लेने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसके आधार पर भविष्य की योजनाएं और नीतियां बनाई जाती हैं। इसलिए प्रथम चरण के तहत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य को पूरी जिम्मेदारी, पारदर्शिता और सटीकता के साथ पूरा किया जाना चाहिए। उपायुक्त ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि वे क्षेत्र के नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों को जनगणना की प्रक्रिया के बारे में जागरूक करें, ताकि किसी प्रकार की भ्रांति या जानकारी का अभाव न रहे और सभी के सहयोग से यह कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। प्रशिक्षण के दौरान जनगणना निदेशालय के उप निदेशक द्वारा प्रथम चरण की प्रक्रिया, डेटा संग्रहण एवं उसे निर्धारित प्रणाली में समय पर अपलोड करने की विस्तृत जानकारी दी गई। अधिकारियों को उनके कार्य एवं जिम्मेदारियों से भी अवगत कराया गया। इसके साथ ही मकान सूचीकरण एवं गणना कार्य की समय-सीमा (टाइमलाइन) की जानकारी दी गई तथा प्रचार-प्रसार के माध्यम से आम जनता को जनगणना के महत्व के प्रति जागरूक करने पर बल दिया गया, ताकि पूरे जिले में यह महत्वपूर्ण कार्य सुचारू रूप से संपन्न हो सके।

जेटेट परीक्षा को लेकर सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

मुरी : झारखंड प्रशिक्षित शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल द्वारा 9 वर्षों से लंबित झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटेट) के शीघ्र आयोजन की मांग को लेकर मुख्यमंत्री, झारखंड सरकार के नाम प्रतिनियुक्त मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन के माध्यम से संघ ने अवगत कराया कि राज्य के लाखों प्रशिक्षित शिक्षक अभ्यर्थी पिछले लगभग 9 वर्षों से जेटेट परीक्षा के आयोजन की प्रतीक्षा कर रहे हैं। लंबे समय से परीक्षा आयोजित नहीं होने के कारण अभ्यर्थियों का भविष्य अनिश्चित होता जा रहा है तथा राज्य में शिक्षकों की कमी भी लगातार बनी हुई है, जिससे शिक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

संघ ने सरकार के समक्ष निम्नलिखित प्रमुख मांगें रखीं जेटेट की संशोधित नियमावली को अविलंब कैबिनेट से पारित किया जाए। जेटेट परीक्षा की तिथि एवं परीक्षा परिणाम की समय-सीमा शीघ्र घोषित की जाए। जेटेट दिशा-निर्देशों के अनुरूप प्रत्येक वर्ष नियमित रूप से जेटेट परीक्षा आयोजित करने का स्थायी प्रावधान किया जाए। बीएड के एपियरिंग अभ्यर्थियों को भी परीक्षा में शामिल होने का अवसर प्रदान किया जाए। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने हेतु जेटेट परीक्षा आयोजित कर शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ की जाए।संघ के प्रदेश अध्यक्ष चंदन कुमार सहित रवींद्र पासवान, बिमल कुमार , सुधीर चौधरी,क्षितिज कुमार,मनीष चंद्रा, हरिकेश महतो, राकेश रजक, संजय रजक, संतोष कुमार, दुर्गेश चंद्रवंशी, आलोक कुमार, वेद प्रकाश ,कमलेश चौधरी, बिपिन कुमार चंद्रवंशी,राधे कुमार, नीरज कुमार एवं राहुल यादव ने कहा कि यदि जल्द ही परीक्षा आयोजन को लेकर ठोस निर्णय नहीं लिया गया, तो अभ्यर्थी लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन को और तेज करने के लिए बाध्य होंगे।

स्वास्थ्य उपकेंद्र के निर्माण में घटिया ईंट लगाने का आरोप, ग्रामीणों ने किया विरोध

संवाददाता

चतरा : जिले के हंटरगंज प्रखण्ड क्षेत्र के गेरूआ पंचायत अंतर्गत बढ़ीबिगहा में सामुदायिक स्वास्थ्य उपकेंद्र के भवन निर्माण के नींव में शुरूआती दौर में ही संवेदक ने मनमानी कर गोलमाल करना शुरू कर दिया। घटिया क्वालिटी की ईंट लगाकर नींव तैयार कर दी। निम्न स्तर की निर्माण सामग्री इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने सोमवार को प्रदर्शन किया ग्रामीणों ने इस बारे में जिला प्रशासन से पूरी सामग्री की जांच करा मामले की जांच करने की मांग की है। जिला परिषद मद से इस भवन के लिए 55 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि बालू, सीमेंट और सरिया जैसी निर्माण सामग्री में मानकों की अनदेखी की जा रही है। प्रदर्शन के दौरान उन्होंने ईट दिखाकर अपना विरोध जताया।स्थानीय लोगों का कहना है कि संवेदक सरकारी धन का दुरुपयोग कर मनमानी कर रहा है। मिथलेश यादव, चैनेश यादव, पिंटू यादव,मंटू कुमार,चंदन कुमार, राकेश कुमार सहित सैकड़ो ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। ग्रामीणों की विरोध की जानकारी मिलते ही निर्माण कार्य स्थल पर जिला परिषद सदस्य निशि कुमारी पहुंची। उन्होंने भी ग्रामीणों का आरोप सही बताया।आगे उन्होंने संवेदक की मनमानी के विरोध में संबंधित विभाग के अधिकारियों से शिकायत करने की बात कही। इधर कनीय अभियंता धनंजय ओझा ने बताया कि संवेदक को निर्देश दिया गया है कि इस ईट को हटाकर दूसरे ईट का प्रयोग करें। गुणवत्ता में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अब अब ऐसे में एक बहुत बड़ा सवाल उठता है कि खराब गुणवत्ता वाली ईंट का नींव में उपयोग किया गया तो वह सिर्फ खराब ईट ही नहीं बल्कि पूरी इमारत की मजबूती और उम्र के साथ खिलवाड़ किया गया है। आखिर इसका जिम्मेदार कौन है?

चतरा सदर अस्पताल में तोड़फोड़

मनचले युवक ने मुक्का मारकर तोड़ा रजिस्ट्रेशन काउंटर का शीशा

सीसीटीवी में कैद हुई युवक की करतूत

अस्पताल उपाधीक्षक ने एफआईआर दर्ज करवाया

संवाददाता

चतरा : सदर अस्पताल परिसर में सोमवार की सुबह एक युवक ने ना सिर्फ जमकर उत्पात मचाया बल्कि मुक्के से मारकर रजिस्ट्रेशन काउंटर का शीशा भी चकनाचूर कर दिया। हंगामा कर रहे युवक ने चिकित्सकों और कर्मियों के साथ गाली गलौज भी किया। जब तक अस्पताल प्रबंधन ने घटना की सूचना पुलिस को दी और जब तक पुलिस अस्पताल पहुंची युवक यहां से फरार हो गया। सदर अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरे में युवक की करतूत कैद हो गई है। इस तोडफोड़ और उपद्रव के विरुद्ध सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ पंकज कुमार ने सदर थाना में युवक के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने के लिए आवेदन दिया है। पुलिस अस्पताल से सीसीटीवी फुटेज लेकर युवक की पहचान करने में जुटी है।

पूर्जा बनाने के लिए लाइन में लगने के लिए बोले जाने पर युवक ने मचाया तांडवः बताया जाता है कि युवक एक मरीज को लेकर अस्पताल पहुंचा था। अस्पताल के गार्ड प्रकाश कुमार ने जब उसे पुर्जा बनवाने के लिए काउंटर पर भेजा, तो युवक ने कर्मियों पर तुरंत पुर्जा बनाने का दबाव बनाने लगा। काउंटर पर मौजूद कर्मियों ने जब युवक से लाइन में लगकर अपनी बारी का इंतजार करने को कहा, तो वह आगबबूला हो गया। गाली-गलौज करते हुए युवक ने अपना आपा खो दिया और काउंटर पर लगे शीशे पर जोर से मुक्का दे मारा। प्रहार इतना तेज था कि काउंटर का शीशा चकनाचूर हो गया। घटना के बाद अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ पंकज कुमार ने कहा कि अस्पताल में तोड़फोड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लोगों के ऐसी हरकत से स्वास्थ्य सेवाओं पर खराब असर पड़ता है। काम करने वाले चिकित्सकों और कर्मियों में भय का महौल उत्पन्न होता है। उन्होंने सदर थाना को युवक के विरुद्ध एफआईआर के लिए आवेदन दिया है।

साजदा खातून नामक मरीज का इलाज कराने आया था युवक : सदर थाना को एफआईआर दर्ज करने के लिए दिए आवेदन में उपाधीक्षक डॉ पंकज कुमार ने बताया है कि रजिस्ट्रेशन इंचार्ज अनिल उरांव व गार्ड प्रकाश कुमार पाठक के के द्वारा आवेदन दिया गया है कि मरीज शाजदा खातुन (50 वर्ष) पति मो आरीफ के साथ आए परिजनों के द्वारा रजिस्ट्रेशन कक्ष में लगे शीशा को तोड दिया गया है। अतः उपरोक्त मरीज के साथ आए और तोड़फोड़ करने वाले परिजनों को चिन्हित करते हुए सुसंगत धाराओं में एफआईआर दर्ज करने की कृपा की जाए।

असम चुनाव के लिए जेएमएम तैयार

मुख्यमंत्री समेत 20 स्टार प्रचारकों की सूची जारी

संवाददाता

रांची: असम में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने अपनी राजनीतिक सक्रियता बढ़ा दी है। पार्टी ने चुनाव में सक्रिय भागीदारी का फैसला करते हुए प्रचार अभियान को मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। हालांकि पार्टी असम में कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी, इस संबंध में अभी अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

20 स्टार प्रचारकों की सूची जारीः झामुमो ने सोमवार को असम विधानसभा चुनाव के लिए 20 स्टार प्रचारकों की सूची जारी की है। इस सूची में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन को प्रमुख रूप से शामिल किया गया है। दोनों नेता असम के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव प्रचार का नेतृत्व करेंगे और पार्टी की नीतियों तथा कार्यक्रमों को जनता तक पहुंचाएंगे।

कई वरिष्ठ नेता भी सूची में शामिलः पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय ने बताया कि स्टार प्रचारकों की सूची में कई वरिष्ठ नेता और विधायक भी शामिल किए गए हैं। इनमें डॉ। सरफराज अहमद, जोबा माझी, अभिषेक प्रसाद, पंकज मिश्रा, दीपक बिरुवा, चमरा लिंडा, योगेंद्र प्रसाद, विजय हांसदा, डॉ। महुआ माजी, हफीजुल हसन, सुखराम उरांव, भूषण तिर्की, जिगा सुशरण होरो, विकास मुंडा, एम।टी। राजा, आलोक सोरेन और डॉ। लुईस मरांडी जैसे नेता शामिल हैं। उन्होंने बताया कि ये सभी स्टार प्रचारक केंद्रीय नेतृत्व के साथ मिलकर असम के अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव प्रचार करेंगे।

चुनाव आयोग से अनुमति के लिए आवेदनः पार्टी की ओर से बताया गया कि प्रचार अभियान के दौरान उपयोग में आने वाले वाहनों के असम राज्य की सीमा के भीतर परिचालन के लिए चुनाव आयोग से आवश्यक अनुमति प्राप्त करने हेतु आवेदन भी दिया गया है। झामुमो का कहना है कि पार्टी अपने संगठन और विचारधारा को असम की जनता तक पहुंचाने के लिए व्यापक स्तर पर चुनाव प्रचार अभियान चलाएगी।

झारखंड बनेगा मेडिसिन हबः स्वास्थ्य मंत्री का एलान

राज्य में स्थापित होगा दवा निर्माण उद्योग

संवाददाता

रांची : राज्य में जल्द ही दवा निर्माण उद्योग की स्थापना की जाएगी, जिससे राज्य दवा उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सकेगा। यह घोषणा राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने रांची के नामकुम स्थित राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान की। यह कार्यक्रम फामेर्सी काउंसिल ऑफ इंडिया, आरकेडीएफ यूनिवर्सिटी और आरकेडीएफ फामेर्सी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में फामेर्सी के विद्यार्थी, शिक्षक और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

20 साल बाद भी नहीं लगा दवा उद्योगः स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि झारखंड राज्य गठन के दो दशक से अधिक समय बीत जाने के बावजूद आज तक राज्य में एक भी बड़ा दवा निर्माण उद्योग स्थापित नहीं हो पाया है, जो चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सामान्य दवाइयाँ जैसे पैरासिटामोल तक राज्य में नहीं बनतीं और डेक्सट्रोज सलाइन जैसी जरूरी चिकित्सा सामग्री भी बाहर से मंगानी पड़ती है। उन्होंने कहा कि अब इस स्थिति को बदलने का समय आ गया है और राज्य सरकार इस दिशा में ठोस पहल करने जा रही है।

युवाओं को मिलेगा रोजगारः डॉ. अंसारी ने कहा कि दवा निर्माण उद्योग स्थापित होने से न केवल झारखंड में दवाओं का उत्पादन होगा बल्कि फामेर्सी के छात्रों और युवाओं को रोजगार के नए अवसर भी मिलेंगे। उन्होंने बताया कि राज्य में इस समय 123 से अधिक फामेर्सी कॉलेज संचालित हैं और हर वर्ष करीब 7000 छात्र-छात्राएँ फामेर्सी की डिग्री प्राप्त करते हैं।

नगर परिषद के उपाध्यक्ष बने अब्दुल कादिर, निर्विरोध हुए निर्वाचित

रांची : लोहरदगा नगर परिषद में उपाध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव में वार्ड संख्या 12 के पार्षद अब्दुल कादिर उर्फ छोटू को निर्विरोध उपाध्यक्ष घोषित किया गया। इस पद के लिए किसी अन्य प्रत्याशी ने नामांकन दाखिल नहीं किया, जिसके कारण उनका चयन सर्वसम्मति से सुनिश्चित हो गया।

नगर परिषद के सभी वार्ड पार्षदों ने एकमत होकर अब्दुल कादिर के नाम पर अपनी सहमति जताई और उन्हें उपाध्यक्ष चुने जाने पर बधाई दी। उनके निर्विरोध निर्वाचन से परिषद के सदस्यों के बीच एकता और सहयोग की भावना देखने को मिली। नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष अब्दुल कादिर उर्फ छोटू ने सभी पार्षदों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे नगर के विकास के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि नगर में साफ-सफाई की व्यवस्था, जल निकासी, सड़क और अन्य बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए सभी पार्षदों के साथ मिलकर योजनाबद्ध तरीके से काम किया जाएगा। उनके निर्विरोध चयन की खबर मिलते ही समर्थकों और शुभचिंतकों में खुशी का माहौल देखा गया। लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए नगर के विकास को नई गति मिलने की उम्मीद जताई।

अभी बदला-बदला रहेगा मौसम का मिजाज, झारखंड में बारिश, वज्रपात और तेज हवाओं का अलर्ट

रांचीः झारखंड में मौसम ने फिर करवट ली है। मौसम केंद्र के ताजा पूवार्नुमान के अनुसार राज्य के कई हिस्सों में बारिश, वज्रपात और तेज हवाओं की गतिविधियां देखने को मिलेंगी। लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग के मुताबिक 17 मार्च से राज्य के विभिन्न जिलों में कहीं-कहीं मेघ गर्जन के साथ करीब 40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। इसके साथ ठनका गिरने की भी आशंका जताई गयी है। आगामी 18 मार्च को भी यही स्थिति बनी रहेगी, जबकि 19 और 20 मार्च को लगभग पूरे राज्य में बादल छाए रहने और कई जगहों पर बारिश के आसार हैं।

सरहुल की भव्य विशाल शोभायात्रा निकालने का निर्णय

रांचीः केंद्रीय सरना संघर्ष समिति के तत्वावधान में सरहुल की भव्य विशाल शोभायात्रा निकालनें का निर्णय एवं धूमधाम से मनाने का निर्णय पिस्का मोड़ रांची में बैठक लिया गया । इसकी तैयारी जोर-शोर से चल रहा है, गांव गांव में गजब का उत्साह है, इसका तैयारी में जुट गए हुए है। केंद्रीय सरना संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष शिवा कच्छप ने कहा कि सरहुल हम नव वर्ष के रूप में मनाते है, क्योंकि नये पते, नये फल फूल साग सब्जी इत्यादि का आगमन होता है उसी का पूजा धर्मेश सिंग बोगा, चाला आयो,सरना मां का चरणो में अर्पित करके ही हम आदिवासी नये फल फूल अन्न जल ग्रहण करते है। मुख्यमंत्री से निवेदन करते हैं कि मौजा हेसल पिस्का मोड़ सत्यारी सरना स्थल को बचा ले, जिसपर दिनों-दिन कब्जा होते चला आ रहा है। उस पवित्र स्थल पर घेराबंदी नही होने के कारण मल मूत्र गंदगी कूड़ा कचड़ा फेक दिया जाता है, जिससे धार्मिक भावनाओ पर ठेस पहुंचाता है। जितने जल्द हो सके सरना स्थल को घेराबंदी करायी जाए, ताकि स्वच्छ वातावरण में पूजा अर्चना कर सके।

21 अप्रैल को सरहुल शोभा यात्रा धुमधाम पारंपारिक रीति रिवाज ढोल नगडा, मांदर, ढांक शहनाई बजा के साथ निकाला जाएगा, सरना धर्मावलंबी अपने अपने घरो में सरना झंडा अवश्य लगाएं, जिला प्रशासन से मांग करते है कि चौक चौराहे पर पुलिस बल एवं पिने का पानी और मोबाइल शौचालय, चिकित्सा एम्बुलेंस का व्यवस्था किया जाए। अपने खोडहा का देख भाल रस्सी का घेरा बनाकर करे, छटे छोटे बच्चे का पाकेट में नाम पता और फोन नंबर अवश्य डाले ताकि किसी प्रकार का दिक्कत ना हो। सरकार से अपील करते है कि शोभायात्रा का स्वागत हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा कर किया जाए ।

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप महादेव उरांव, मनोज उरांव, चारो उरांव, जगरनाथ उरांव, किशोर भगत, सती तिर्की, अनिता उरांव, सिटीआ उरांव, वृद्धि उरांव, शोभा तिर्की व अन्य।

रमजान पर एसएसपी ने एकरा मस्जिद के पास बांटा फल, दी मुबारकबाद

रांचीः पवित्र रमजान माह के अवसर पर रांची के एसएसपी ने मंगलवार को शहर के एकरा मस्जिद के पास पहुंचकर मुस्लिम समुदाय के लोगों के बीच फल का वितरण किया और रमजान तथा आने वाले ईद पर्व की शुभकामनाएं दीं।इस अवसर पर एसएसपी ने उपस्थित लोगों से मुलाकात कर आपसी भाईचारा, शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि रमजान का महीना त्याग, सेवा और भाईचारे का संदेश देता है, जिसे समाज में मजबूत करने की आवश्यकता है। इस मौके पर अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष शमशेर आलम.,सिटी एसपी, कोतवाली डीएसपी, हिंदपीढ़ी थाना प्रभारी तथा लोअर बाजार थाना प्रभारी भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से मुलाकात कर आने वाले पर्व-त्योहारों को आपसी भाईचारा और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने को लेकर चर्चा की। सभी अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से संवाद करते हुए आगामी पर्व-त्योहारों को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर चर्चा की।

पुलिस प्रशासन ने आश्वासन दिया कि शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक सभी कदम उठाए जाएंगे और लोगों से भी सहयोग की अपेक्षा की गई है।

किराना दुकान में आग लगने से सात लाख की संपत्ति और 55,000 नगद खाक

रांचीः बुंडू नगर पंचायत स्थित कुमार टोली में एक किराना दुकान में आग लगने से 7 लाख की संपत्ति जलकर राख हो गई। इस बड़ी आपदा ने परिवार को सड़क पर लाकर खड़ा कर दिया। रविवार की रात एक बजे कुम्हार टोली स्थित बुधन कुम्हार के किराना दुकान में संदेहास्पद परिस्थितियों में आग लगी। जिससे दुकान में रखे लगभग 7 लाख के समान और 55000 नगद राशि जलकर राख हो गए। इस आगलगी से 8 सदस्यों का बुधन कुम्हार का परिवार सड़क पर आ गया।

अगलगी की घटना के बाद बुधन ने बताया कि जिस दुकान से पिता, पत्नी, बच्चे और बीमार भतीजी का पेट पालते थे, इलाज होता था, अब अचानक इस विकराल आगलगी की घटना से परिवार के सामने विकट स्थिति उत्पन्न हो गई है। आखिर कैसे चलेगा परिवार। कहां जाएंगे परिवार के सदस्य। करेंगे तो आखिर क्या करेंगे।

पूरा परिवार चैन की नींद सो रहा था। अचानक रात को 1 बजे दुकान में लगी आग में पूरा परिवार बाल-बाल बचा। आग ने परिवार की दुनिया ही उजाड़ दी। घटना की सूचना पर दमकल की टीम और बुंडू पुलिस मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया गया। तब तक लाखों की संपत्ति जलकर खाक हो चुकी थी। इधर परिवार का आरोप है कि आग जानबूझकर कर लगाई गई है। इस संदर्भ में बुंडू थाना में मामला दर्ज किया गया है।

शिव मंडा पूजा समिति, चुटिया की बैठक में नई कमिटी का गठन

राजकुमार महतो अध्यक्ष व विजय कुमार साहू बने मुख्य संरक्षक

मेट्रो रेज

रांचीः शिव मंडा पूजा समिति , चुटिया, रांची की एक आम बैठक समिति के मुख्य संरक्षक विजय कुमार साहू की अध्यक्षता में राम लखन जानकी स्मृति भवन, महादेव मंडा के प्रांगण में संपन्न हुई। इस बैठक में भव्य शिव मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए मंदिर के प्रारूप प्रस्तुत किया गया, मंदिर के निर्माण में लगभग 1 करोड़ रुपए का बजट प्रस्तुत किया गया । साथ ही वर्ष 2025-26 का लेखा जोखा प्रस्तुत किया गया जो सर्व सहमति से पारित हुआ। साथ ही इस वर्ष शिव मंडा पूजा धूमधाम से मनाने के लिए मंदिर के पुजारी पं। शंभू कुमार पांडे ने पूजन कार्यक्रमों की घोषणा की और सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया

पूजन कार्यक्रम

1। डगरः 01अप्रैल 2026 से
2। मुंडनः 05 अप्रैल 2026 को
3। उत्तरी एवं शिव बारातः 06 अप्रैल 2026
4। रात्रि शोभायात्राः 07 अप्रैल 2026 से 12 अप्रैल 2026 तक
5। जागरण एवं फुलकुंदीः 13 अप्रैल 2026 को
6। शोभायात्रा सह झूलन तथा सांस्कृतिक आर्केस्ट्राः 14 अप्रैल 2026 को
7। छठीः 15 अप्रैल 2026 को समापन

नई कार्यकारिणी

मुख्य संरक्षकः पद्मश्री मुकुंद नायक, विजय कुमार साहू, मदन केसरी, विजय तिर्की, राधेश्याम केसरी, सुरेश साहू, छत्रधारी महतो, मदन सिंह, अंजू देवी, पार्षद वार्ड- 14, पवन तिर्की, वार्ड पार्षद- 13, आरती कुमारी, वार्ड पार्षद- 48

संरक्षकः रामवृत्त महतो, लालो महतो, मनपुरण नायक, रामलखन महतो, संजय प्रसाद, कैलाश केसरी, लखन महतो, नंदू ठाकुर, अरविंद कुमार, वीरू साहू, मदन मुंडा, रविंद्र प्रसाद, सरवन महतो, राम उरांव, रामशरन तिर्की, अनिल रंजन चौधरी, गोपाल ठाकुर, विजय रंजन कुमार, मनोज पांडे, दीपक साहू

मुख्य सलाहकारः दिलीप कुमार साहू

अध्यक्षः राजकुमार महतो

कार्यकारी अध्यक्षः रवि गोप, उदय पासवान, विक्रम साहू

महामंत्रीः प्रमोद गोप, मनोज गोप (चुन्नू), भोला चौधरी

वरीय उपाध्यक्षः धनंजय सिंह, धर्मेंद्र सोनी, मनोज गोप, मिथिलेश गोप, अमित गुप्ता उर्फ नानका, संदीप चौधरी, अंकित केसरी, दिलीप नायक

उपाध्यक्षः अनूप ठाकुर, गुल्लू गोप, अमित साहू, गौतम महतो, रामदेव लोहरा, जसवंत प्रसाद, एठ। संदीप साहू, आयुष कश्यप, शैंकी सिंह, सुधीर महतो, तपन कुमार महतो, महावीर रजक, बुल्लू महतो, सूरज मुंडा, धनंजय ठाकुर, सुजीत चौधरी, बादल महतो, विकास राम लोहार, उपेंद्र सिंह, रवि महतो, प्रेम साहू, शिवम सिंह, रमेश महतो, माखन पाठक, विकास महतो, कुंज बिहारी महतो, सोनू साहू, राजा साहू, सुनील महतो, रूपेश केसरी, विजय राम, अनिल राम(टल्लू), करण कुमार महतो, रवि लोहरा

मंत्रीः दिलीप गोप, कुलदीप साहू, शिवम केसरी, बबलू वर्मा, सकलदीप सिंह, अमित केसरी, कृष्णा गोप, कुलदीप लोहरा, अजीत गोप, अमरदेव महतो, सूरज रजक, ललन चौधरी, धंजू नायक, किशोर नायक, शिवम गोप, अमर चौधरी, अमित लोहरा, शत्रु नायक, नवीन महतो, गोविंद चौधरी, आकाश साहू, रितेश गोप, उमेश महतो, प्रकाश महतो, विजय कुमार राम, चंदन प्रताप ठाकुर, अमन श्रीवास्तव, भाविक कुमार यादव

संगठन मंत्रीः राजू राम लोहरा, सुबोध साहू, सुरेश मुण्डा, अमन केसरी, सुभाष महतो, अंकित आनंद केसरी, विवेक कुमार महतो, गोपाल साहू, सूरज केसरी, रवि प्रकाश गोप, श्याम कुमार महतो, शशि कुमार महतो, अभिषेक महतो, रमेश साहू, पवन साहू, अंकित सिंह, अमन गोप, संजय वर्मा, आदित्य राज महतो, आशीष महतो

कोषाध्यक्षः रणजीत राम

सह कोषाध्यक्षः राजू गोप

प्रचार मंत्रीः विनय कुमार महतो

अंकेक्षकः अजीत कुमार साहू

कार्यकारी सदस्यः यश आरभ यादव, काली चौधरी, विकास गोप, नितेश कुमार, मोहित कुमार महतो, आर्यन कुमार महतो, दीपाशीष कुमार, आयुष सिंह, राहुल सिंह, रोनित कुमार, विनीत, सोहित शर्मा, रेहान, विपिन, शुभम केसरी, अमन साहू, संदीप साहू, नितिन कुमार, अशोक कुमार, नितेश गोप, नीरज शर्मा, मयंक शर्मा, विकास सिंह, शुभम सिंह, अभी साहू, आकाश साहू, रौनक साहू, नितेश ठाकुर, आदित्य कुमार, विशाल कुमार, अंश साहू, अरविंद सिंह, शानू ठाकुर, सुधीर महतो, रौशन महतो, शुभम केसरी व अन्य।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, खूँटी

अति अल्पकालीन पुर्ननिविदा आमंत्रण सूचना
(द्वितीय कॉल)

निविदा आमंत्रण सूचना सं0– 94 दिनांक– 16.03.2026

1. विज्ञापनदाता का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, खूँटी।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि :– 19.03.2026 को 12.00 बजे दिन से 4.00 बजे अपराह्न तक।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– 23.03.2026 के अपराह्न 3:00 बजे तक
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 23.03.2026 के अपराह्न 3:30 बजे
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थल :– (i) मुख्य अभियंता (यातायात) का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, झारखण्ड, अभियंत्रण हॉस्टल,प्रथम तल्ला,धुर्वा, राँची। (ii) अधीक्षण अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ अंचल, राँची। (iii) कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, खूँटी।
6. निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान :– क्रमांक 5 में उल्लेखित कार्यालय में क्रमांक 2, 3 एवं 4 में अंकित तिथि एवं समय अनुसार।
7. कार्य की विवरणी :–

क्र0 सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू0 में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र का मुल्य (रू0 में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6
01.	खूँटी–हितुटोला–मारगहादा–तैमारा पथ के कि0मी0 21.00 से कि0मी0 30.00 तक Road Safety & Marking कार्य।	9,99,531.00	20,000.00	1250.00	एक माह

1) निविदा की शर्तें सूचना पट पर देखा जा सकता है।
2) प्राक्कलित एवं अग्रधन की राशि घट – बढ़ सकती है, जो कि परिमाण विपत्र बिक्री के समय देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
प0नि0वि0, पथ प्रमण्डल, खूँटी

PR.NO.375255 Road(25-26):D

जिला अभियंता का कार्यालय जिला परिषद, खूँटी

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना
ई० टेन्डर रिफरेन्स नम्बर – DOPR/DE/KHUNTI/22/2025-26

क्र.	प्रखण्ड	कार्य का नाम	प्रा० राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	कर्रा	खूँटी जिला के कर्रा प्रखण्ड अन्तर्गत बकसपुर में स्वास्थ्य उपकेन्द्र का निर्माण कार्य।	55,50,000.00	1,11,000.00	10,000.00	09 माह

नोट :–
1. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समयः– 18.03.2026 के अपराह्ण 05:00 बजे।
2. ई–निविदा डालने की अंतिम तिथि– 25.03.2026 के अपराह्ण 05:00 बजे तक।
3. ई–निविदा की परिमाण विपत्र एवं अग्रधन की राशि ऑनलाईन जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय– 25.03.2026 के अपराह्ण 05:00 बजे तक(e-Procurement Portal-jharkhandtenders.gov.in)
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समयः– 27.03.2026 अपराह्ण 04:00 बजे।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– जिला अभियंता, जिला परिषद, खूँटी।
6. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 9430752050
7. जिला परिषद, खूँटी/BCD के समुचित श्रेणी का निबंधन ही मान्य होगा।
8. **उपरोक्त निविदा का निष्पादन Double Bid System के अनुसार किया जायेगा।**
9. खूँटी जिला अन्तर्गत वैसे संवेदक जिनका कार्य Work Program के अनुसार नहीं चल रहा है। वे इस निविदा में भाग लेने हेतु अयोग्य समझे जायेंगे।
10. निविदा डालते समय पथ निर्माण विभाग, झारखण्ड राँची के संकल्प संख्या 2146 (एस) दिनांक 09.09.2024 में निहित प्रावधान के आलोक में संवेदक द्वारा 10 प्रतिशत से अधिक दर Quote करने Additional Performance Security की राशि निम्नवत जमा करनी होगी।
(i) 10 से 20 प्रतिशित Below की राशि का 20 प्रतिशत तथा
(ii) 20 प्रतिशत से अधिक Below की राशि का 30 प्रतिशत अतिरिक्त जमानत की राशि जमा करना होगा।
11. प्राक्कलित राशि घट–बढ सकती है, तदनुरूप ही अग्रधन की राशि (ऑनलाईन) जमा करना होगा एवं इस संबंध में में कोई दावा मान्य नहीं होगा।
12. अधिक जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

जिला अभियंता,
जिला परिषद, खूँटी

PR 375159 District(25-26).D

सूक्ति

**सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो
अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर**

जांच प्रक्रिया में तेजी व सजा में सख्ती से ही अंकुश

मिलावट लाइलाज बीमारी बनती जा रही है तो इसकी वजह यही है कि मिलावटखोरों को न तो कानून का डर है और न ही बदनामी की परवाह। लालच इस कदर कि लोगों के जीवन से खिलवाड़ करने से भी नहीं चूकते। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआइ) की यह ताजा रिपोर्ट चौंकाने वाली है, जिसमें कहा गया है कि देश में दूध का हर तीसरा नमूना मानकों पर खरा नहीं उतरता। दूध में मिलावट सिर्फ सेहत से जुड़ा सवाल ही नहीं है, बल्कि उपभोक्ताओं को धोखा देने व उनकी जान से खेलने का अक्षम्य अपराध है, जिसे रोकने के लिए सिर्फ कानून बना देना ही काफी नहीं, सख्ती बरतनी होगी।

एक दौर था जब हमारे देश के लिए कहा जाता था कि यहां दूध-घी की नदियां बहती हैं। लेकिन अब दूध में पानी ही नहीं, बल्कि यूरिया, डिटर्जेंट और दूसरे खतरनाक रसायन डाले जा रहे हैं। चिंता की बात यह भी है कि दूध में मिलावट का यह दुष्चक्र लोगों को सेहतमंद बनाने के बजाय कई गंभीर रोगों से घेर रहा है। कृषि और पशुपालन में आगे समझे जाने वाले हरियाणा, उत्तरप्रदेश और पंजाब सरीखे प्रदेशों में दूध के नमूने फेल होने की दर दूसरे राज्यों के मुकाबले ज्यादा है। मिलावटखोरों पर प्रभावी अंकुश न होना उनके लालच को और बढ़ा रहा है। चिकित्सक लंबे समय से कह रहे हैं कि मिलावटी पदार्थों का सेवन किडनी व लिवर की बीमारियों के साथ पाचन तंत्र को कमजोर करने वाला होता है।

हैरत की बात यह है कि कोई दूध मानकों पर खरा उतरने वाला है या नहीं, इसको जांचने की पुख्ता व्यवस्था ही नहीं है। सरकारी स्तर पर जब-तब दूध के नमूनों की जांच होती है तो उनमें भी प्रक्रियागत खामियां इतनी है कि नतीजे ही ठीक से नहीं आ पाते। दूध और डेयरी उत्पादों में मिलावट पर तो सरकारी सिस्टम की चुस्ती की जरूरत इसलिए भी है क्योंकि पौष्टिकता की जगह लोगों को कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियां तक मिलावट की वजह से होने का खतरा बना रहता है। एफएसएसएआइ ने भले ही दूध विक्रताओं के लिए लाइसेंस की अनिवार्यता कर दी है लेकिन लाइसेंस की अनिवार्यता मिलावट रोकने की गारंटी नहीं हो सकती। लोग अपने घरों पर ही दूध की जांच कर सकें इसकी आसान प्रक्रिया की जानकारी उन तक पहुंचानी होगी। लाइसेंस प्रक्रिया भी कहीं इंस्पेक्टर राज को बढ़ावा देने वाली नहीं बन जाए, इसका भी ध्यान रखना आवश्यक है। पिछले चार साल में दूध के 1.2 लाख नमूनों में 47 हजार से ज्यादा का मिलावटी होना, जितना चिंताजनक है उससे भी बड़ी बात यह है कि इनमें सजा और जुमार्ना आधे लोगों पर भी नहीं हो पाया। जाहिर है कि लाइसेंस व्यवस्था और ठोस कानून ही काफी नहीं, बल्कि जांच प्रक्रिया में तेजी और सजा के मामलों में सख्ती ही मिलावटखोरों पर अंकुश लगा सकेगी।

चीन का नया कानून और विकास का मानवीय पहलू

क्या सांस्कृतिक विविधता किसी देश के विकास में बाधक हो सकती है? और विकास की किसी परिभाषा के अनुसार यदि ऐसा हो भी तो, क्या 'जातीय एकता' के नाम पर इसे समाप्त करते हुए कथित विकास के नए-नए सोपान गढ़ना बुद्धिमानी है? देश की मजबूती के नाम पर विभिन्न सांस्कृतिक अस्मिता को किसी एक बड़ी पहचान में समाहित करने का प्रयास क्या मानव सभ्यता की प्रगति के इतिहास और भावी संभावनाओं पर हमेशा के लिए पूर्ण-विराम लगाने जैसा नहीं होगा? ऐसे कई प्रश्न हैं जिन पर विचार करने का समय आ गया है क्योंकि कुछ देशों में सरकारों के सोचने का तरीका ऐसा ही होता जा रहा है। चीन में 'जातीय एकता' कानून की मंजूरी के बाद दुनियाभर में फिर से यह चर्चा शुरू हो गई है। चीन अमरीका को पछाड़कर दुनिया का 'नया दादा' बनने की इच्छा रखता है। इसके रास्ते की हर असुविधा को दूर करने का अतार्किक प्रयास वहां के अल्पसंख्यकों के लिए खतरे की घंटी बजा रहा है। चीन की नेशनल पीपुल्स कांग्रेस ने 'जातीय एकता' कानून मंजूर किया है। इसका अघोषित उद्देश्य 1949 से मान्यता प्राप्त जातीय विविधता को खत्म करना है, ताकि अल्पसंख्यक समुदायों की अगली पीढ़ी अपनी भाषा और संस्कृति से अलग-थलग पड़ जाए और उन्हें बहुसंख्यक 'हान' जाति की संस्कृति के अनुरूप ढाला जा सके। चीन में 56 जातीय समूह हैं, जिनमें हान आबादी 91 फीसदी से अधिक है। अन्य 55 अल्पसंख्यक समूह (जैसे तिब्बती, उइगर, मंगोल, हुई, मांचू आदि) देश के लगभग आधे भू-भाग पर रहते हैं, जो प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर है। नया कानून अल्पसंख्यकों को अपनी विशिष्ट पहचान छोड़ने और बहुसंख्यक 'हान' जीवनशैली को अपनाने के लिए मजबूर करने वाला है। स्कूली बच्चों के लिए मंदारिन पढ़ना अनिवार्य किया गया है जबकि, पहले वे मातृभाषा में पढ़ते थे। उन माता-पिता पर भी मुकदमा चलेगा, जो अपने बच्चों को कानून के अनुसार 'जातीय एकता के लिए हानिकारक' शिक्षा देंगे। राष्ट्रपति शी जिनपिंग अल्पसंख्यकों का कथित 'चीनीकरण' करना चाहते हैं। इसके तहत तिब्बत, शिनजियांग व इनर मंगोलिया जैसे क्षेत्रों में अल्पसंख्यकों के अधिकारों को प्रतिबंधित किया गया। तिब्बत में तो मठों को सरकारी नियंत्रण में लेते हुए हजारों बौद्ध भिक्षुओं को गिरफ्तार भी किया गया था। उइगर मुस्लिमों को भी बुनियादी अधिकारों से वंचित रखते हुए करीब 10 लाख गिरफ्तारियां की गईं। चीन सरकार एक ऐसा समरूप समाज बनाने की कोशिश कर रही है, जिसमें कम्युनिस्ट पार्टी और हान संस्कृति ही सर्वोपरि हो सके और अन्य समुदायों की परंपराएं, भाषा और पहचान खत्म हो जाए। यह निश्चित रूप से भारत सहित उस दुनिया के लिए चिंता की बात होनी चाहिए जो 'विविधता में एकता' के सिद्धांत के साथ प्रगति के रास्ते खोज रही है क्योंकि, अमानवीय सोच से 'मशीनी विकास' हो भी जाए तो उसका कोई मूल्य नहीं रहेगा।

महिला आरक्षण का नया विमर्श: स्थानीय से राष्ट्रीय नेतृत्व की ओर

1990 में सिंथिया एनलो ने अपनी पुस्तक 'बनानाज, बीचेज एंड बेसिसः मेकिंग फेमिनिस्ट सेंस ऑफ इंटरनेशनल पॉलिटिक्स' में लिखा था कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति की पारंपरिक व्याख्याएं लंबे समय तक पुरुष-केंद्रित रही हैं। उनके अनुसार वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था और कूटनीति जैसे क्षेत्रों में महिलाओं की भूमिकाएं अक्सर अदृश्य बना दी जाती हैं, जिसके कारण सत्ता और निर्णय-निर्माण की संरचनाओं में उनकी उपस्थिति सीमित रह जाती है।

डॉ. ऋतु सारस्वत

भारतीय राजनीति में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार महिला आरक्षण के प्रावधान को शीघ्र लागू करने की दिशा में पहल करती दिखाई दे रही है। हालिया चचाओं के अनुसार सरकार 'परिसीमन के बाद' की शर्त को हटाने के लिए संवैधानिक संशोधन पर विचार कर रही है, ताकि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को वर्ष 2029 से लागू किया जा सके। उल्लेखनीय है कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के अंतर्गत संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया था, किंतु इसे जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद लागू करने की व्यवस्था की गई थी।

वर्तमान में सरकार के इस शर्त को हटाने की संभावना पर विचार किए जाने से यह प्रश्न पुनः चर्चा के केंद्र में आ गया है कि भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी क्यों महत्ती है। यदि भारत की स्थिति को वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो राजनीति में महिलाओं की भागीदारी के संदर्भ में भी स्थिति बहुत संतोषजनक नहीं कही जा सकती। विश्व आर्थिक मंच की 'ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2024' के अनुसार 146 देशों में राजनीतिक सशक्तीकरण के सूचकांक में भारत का स्थान 65वां है। यह स्थिति इस तथ्य को रेखांकित करती है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के प्रयासों के बावजूद निर्णय-निर्माण की संस्थाओं में उनका प्रतिनिधित्व अब भी अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पाया है।

हालांकि यह स्थिति केवल भारत तक ही सीमित नहीं है, बल्कि विश्व के अनेक देशों की है। राजनीति में महिलाओं की सीमित उपस्थिति केवल अवसरों की कमी का परिणाम नहीं है, बल्कि इसके पीछे गहराई से निहित सामाजिक और संरचनात्मक कारण भी कार्य करते हैं। 1990 में सिंथिया एनलो ने अपनी पुस्तक 'बनानाज, बीचेज एंड बेसिसः मेकिंग फेमिनिस्ट सेंस ऑफ इंटरनेशनल पॉलिटिक्स' में लिखा था कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति की पारंपरिक व्याख्याएं लंबे समय तक पुरुष-केंद्रित रही हैं। उनके अनुसार वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था और कूटनीति जैसे क्षेत्रों में महिलाओं की भूमिकाएं अक्सर अदृश्य बना दी जाती हैं, जिसके कारण सत्ता और निर्णय-निर्माण की संरचनाओं में उनकी उपस्थिति सीमित रह जाती है।

भारत में पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए न्यूनतम 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है, जिसे अनेक राज्यों में बढ़ाकर 50 प्रतिशत तक कर दिया गया है। स्थानीय शासन की इन संस्थाओं में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से महिलाओं ने न सिर्फ प्रशासनिक प्रक्रियाओं को समझा है, बल्कि विकास से जुड़े अनेक मुद्दों पर नेतृत्वकारी भूमिका भी निभाई है। स्थानीय शासन के अनुभव यह स्पष्ट रूप से दशार्ते हैं कि यदि महिलाओं को संस्थागत अवसर प्रदान किए जाएं तो वे नेतृत्वकारी भूमिकाओं में अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज करा सकती हैं। विश्व के अनेक देशों के अनुभव यह स्पष्ट करते हैं कि महिलाओं के लिए आरक्षण अथवा जेंडर कोटा लागू करने से राजनीतिक प्रतिनिधित्व में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है। रवांडा में संविधान में महिलाओं के लिए न्यूनतम 30 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किए जाने के बाद संसद में उनकी भागीदारी 60 प्रतिशत से अधिक तक पहुंच गई।

इसी प्रकार फ्रांस में 'पैरिटी कानून' के माध्यम से राजनीतिक दलों को चुनावों में पुरुषों और महिलाओं को लगभग समान संख्या में उम्मीदवार बनाने के लिए बाध्य किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप वहां की राजनीति में महिलाओं की भागीदारी में वृद्धि हुई है। जब राजनीतिक संरचनाओं में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित करने के लिए संस्थागत उपाय किए जाते हैं, तो लोकतांत्रिक संस्थाओं की प्रकृति और निर्णय-निर्माण की प्रक्रिया अधिक समावेशी बनती है। ऐसे में भारत में महिलाओं के लिए आरक्षण का प्रावधान किए जाने के बाद यदि इसे परिसीमन की प्रक्रिया की प्रतीक्षा किए बिना शीघ्र लागू करने की दिशा में पहल की जाती है और आगामी आम चुनावों में ही इसका क्रियान्वयन संभव हो पाता है, तो इसका प्रभाव महिलाओं की भागीदारी को सुदृढ़ करने के रूप में व्यापक और सकारात्मक रूप में दिखाई दे सकता है।

शोध पत्रों से आगे बढ़ उत्पाद आधारित होनी चाहिए

सीधे उत्पाद या तकनीक आधारित शोध को प्रोत्साहन मिलने से शोधार्थी लंबी और उबाऊ शोध प्रकाशन प्रक्रिया से भी बच सकेंगे। इसके अतिरिक्त परीक्षकों के लिए भी शोध परखना सरल होगा और यह पूरा शोध चक्रीय समय को बचा पाएगा। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थानों में इस संस्कृति को संस्थागत रूप दे सकती है।

मिलिंद कुमार शर्मा

आज जब भारत स्वयं को ज्ञान और नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करना चाहता है, तब यह आवश्यक हो जाता है कि विश्वविद्यालयों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में पीएचडी को अधिक व्यावहारिक, समाजोपयोगी और उद्योग आधारित बनाया जाए। इस संदर्भ में चीन का वह शिक्षा मॉडल अत्यंत प्रासंगिक है, जिसमें पीएचडी डिग्री केवल शोध-पत्रों पर ही नहीं, अपितु विश्वविद्यालय में किसी नए उत्पाद, प्रोटोटाइप या तकनीकी समाधान के आविष्कार पर भी आधारित हो सकती है।

यदि भारतीय विश्वविद्यालय इस मॉडल को अपनाते हैं, तो शोध की दिशा में गुणात्मक वृद्धि होने की प्रबल संभावना है। वर्तमान व्यवस्था में पीएचडी प्रायः सैद्धांतिक विमर्श और प्रकाशन-केंद्रित होती है, जिससे कई बार शोध प्रयोगशालाओं से बाहर निकल समाज या उद्योग तक नहीं पहुंच पाता है, जिसके फलस्वरूप इस प्रकार के शोध विश्वविद्यालय के पुस्तकालय की शोभा बढ़ाने के अतिरिक्त किसी उपयोग के नहीं होते हैं।

यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि उत्पाद-आधारित पीएचडी प्रणाली शोधार्थियों को वास्तविक समस्याओं की पहचान करने और उनके व्यावहारिक समाधान विकसित करने के लिए प्रेरित करेगी। इससे विश्वविद्यालय मात्र ज्ञान उत्पादन के केंद्र न रहकर नवाचार और तकनीकी विकास के पहिये बन सकते हैं। यह रेखांकित करना यहां उचित होगा कि इस परिवर्तन में नियामक संस्थाओं की भूमिका भी निःसंदेह अत्यंत निर्णायक सिद्ध होगी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यदि पीएचडी मूल्यांकन के मानदंडों में पेटेंट, प्रोटोटाइप, तकनीकी हस्तांतरण और स्टार्टअप सृजन को मान्यता देता है, तो विश्वविद्यालयों को स्पष्ट दिशा मिलेगी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग पाठ्यक्रम संरचना में लचीलापन लाकर उद्योग-सहयोग आधारित शोध, सह-मार्गदर्शन और बहु-विषयक परियोजनाओं को बढ़ावा दे सकता है। इससे यह सुनिश्चित होगा कि अकादमिक गुणवत्ता बनी रहे और नवाचार को भी समान महत्व मिले।

लंबे-लंबे शोध एवं साहित्य समीक्षा की अनिवार्यता समाप्त कर पीएचडी शोधार्थियों के लिए 'प्रोडक्ट डिजाइन एंड डेवलपमेंट' विषय कोर्स वर्क में सम्मिलित किए जाने की अनुशंसा की जा सकती है। सीधे उत्पाद या तकनीक आधारित शोध को प्रोत्साहन मिलने से शोधार्थी लंबी और उबाऊ शोध प्रकाशन प्रक्रिया से भी बच सकेंगे। इसके अतिरिक्त परीक्षकों के लिए भी शोध परखना सरल होगा और यह पूरा शोध चक्रीय समय को बचा पाएगा। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थानों में इस संस्कृति को संस्थागत रूप दे सकती है। यह उद्योग-अकादमिक साझेदारी के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश, वित्तीय प्रोत्साहन और मान्यता तंत्र विकसित कर सकती है, जिससे विश्वविद्यालयों में विकसित उत्पाद स्थानीय और राष्ट्रीय उद्योग की आवश्यकताओं से सक्रिय रूप से जुड़े हों।

यदि नियामक एजेंसियां इस पहल को रैंकिंग, मान्यता और वितीय सहायता से जोड़ें, तो विश्वविद्यालय स्वाभाविक रूप से नवाचार-केंद्रित पीएचडी की ओर अग्रसर होने को प्रेरित होंगे। इस मॉडल से उद्योग भी लाभान्वित होंगे। जब विश्वविद्यालयों में शोध सीधे उत्पाद या तकनीक के रूप में सामने आएगा, तो छोटे और मध्यम उद्योग, जिनके पास बड़े अनुसंधान एवं विकास संसाधन नहीं होते, विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर समस्याओं का समाधान पा सकेंगे। इससे तकनीक का स्थानीयकरण होगा, आयात पर निर्भरता घटेगी और क्षेत्रीय स्तर पर रोजगार सृजन को भी बढ़ावा मिलेगा। स्टेम स्नातकों और शोधार्थियों को उत्पाद-आधारित पीएचडी केवल पाठ्यक्रम या परीक्षाओं तक सीमित न रख, अपितु प्रयोग, नवाचार और जोखिम लेने की मानसिकता विकसित करने के लिए भी प्रेरित करेगी।

जीवन नदी की तरह बहता है

श्रीश्री रवि शंकर

चिंतन-मनन

नदी का पानी हर पल ताजा रहता है। जीवन भी नदी की तरह बहता है, जहां हर पल नया और ताजा होता है। जब आपको कोई बुरा सपना आता है, तो जागने पर आपकी धडकनें तेज हो जाती हैं, आप बहुत कड़वाहट और डर महसूस करते हैं, लेकिन यह ज्यादा देर तक नहीं रहता। आपको जीवन के बुरे दौरों को, जैसे इन बुरे सपनों को, नजरअंदाज करके आगे बढ़ना चाहिए। सांस लेने की तकनीक और ध्यान निश्चित रूप से बुरी यादों से उबरने और जीवन को नए सिरे से देखने में मदद करते हैं। हमारे स्वयंसेवक युद्धग्रस्त क्षेत्रों में काम करते हैं। इराक में, आतंकी संगठन आईएसआईएस ने कई यजीदी महिलाओं का अपहरण कर लिया। हमने उनमें से कई को सदमे से उबरने का प्रशिक्षण और जीवन कौशल प्रदान किए। उन्होंने हमें बताया कि इतने सालों में यह पहली बार है जब वे मुस्कराई हैं। हमारे शिक्षकों ने उन्हें उस शांति से जुड़ने में मदद की जो हम सभी के भीतर मौजूद है। इन लड़कियों ने अपने तनाव और अपने साथ हुए आघात से निपटना सीखा। जब उन्होंने इस गहरी आंतरिक शांति का अनुभव किया, तो उन्होंने इसे अपने समुदाय के साथ साझा किया। नई शुरूआत करने में कभी देर नहीं होती। पिछले एक साल में आपको जो भी तकलीफें हुई हैं, उनसे आपने कुछ न कुछ सीखा है। उन्होंने आपको मजबूत बनाया है। उन्होंने आपकी समझ को गहरा किया है। अब अतीत के सारे बोझ और झिझक को उतार फेंकिए और आगे बढ़िए। आपके अंदर एक खूबसूरत शख्सियत छिपी है जो खुद को प्रकट करने का इंतजार कर रही है। याद रखो, तुम यहां हमेशा नहीं रहोगे। दूसरा, जाग जाओ और समझ लो कि जीवन हमेशा खुशियों से भरा नहीं होता। फूलों की पंखुड़ियों के साथ-साथ कांटे भी होते हैं। अतीत में तुम्हारे सामने चुनौतियां आई होंगी, लेकिन तुमने उन चुनौतियों का सामना किया होगा, है ना? तीसरा, जीवन को व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखो। यह इमारत यहीं रहेगी। सब कुछ यहीं रहेगा। तुमने जो कुछ भी बनाया है, वह यहीं रहेगा। लेकिन क्या तुम हमेशा यहीं रहोगे? नहीं। तो फिर तुम इस धरती को कैसे छोड़ना चाहोगे? निराशा और हताशा के साथ, बिलकुल नहीं। जो चीजें आपको नापसंद हैं, जब वे आपके साथ घटित होती हैं।

आपके पत्र

लोकतंत्र की मजबूती को समझदारी से मतदान जरूरी

देश के चार राज्यों- तमिलनाडु, केरल, असम और पश्चिम बंगाल और एक केंद्र शासित प्रदेश पुड्डुचेरी में विधानसभा चुनाव होने जा रहा है। हमारा देश दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। लोकतंत्र में मतदान की अहम भूमिका होती है। हर चुनाव में हर मतदाता को जरूर मतदान करना चाहिए। वैसे तो हर उम्र के मतदाताओं को मतदान में रुचि दिखानी चाहिए, लेकिन युवाओं का दायित्व बनता है कि वो देश की राजनीति की धूमिल होती छवि और अवसरवाद की ओर बढ़ती राजनीति पर लगाम कसने के लिए हर चुनाव में मतदान जरूर करे। महापुरुषों ने युवा वर्ग के लिए कहा था कि युवा देश, समाज में एक अच्छा और सचा बदलाव लाने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाए या निभा सकता है। मतदान समझदारी से करना होगा।

अमित सिंह, रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

गंदगी और पानी के जमाव के कारण बीमारियां फैलने की आशंका

साहिबगंज/बरहड़वा : प्रखंड क्षेत्र के मिजार्पुर पंचायत में मुख्य सड़क की स्थिति काफी दयनीय हो गई है।सड़क पर जगह-जगह कचरे का अंबार लगा हुआ है और बारिश के बाद गंदा पानी जमा हो जाने से राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।गंदगी और पानी के जमाव के कारण इलाके में कई तरह की बीमारियों के फैलने की आशंका भी बढ़ गई है।सबसे अधिक परेशानी स्कूल जाने वाले बच्चों को हो रही है।स्कूल के चारों ओर बारिश का पानी जमा हो जाने से सड़क पूरी तरह कीचड़मय हो गई है और कई जगहों पर पोखर जैसा दृश्य बन गया है।ऐसे में बच्चों को स्कूल आने-जाने में काफी कठिनाई उठानी पड़ रही है।फोटो में दिखाई देने वाली सड़क कोई धान रोपने का खेत नहीं,बल्कि मिजार्पुर गांव के अंदर की मुख्य सड़क है।हैरानी की बात यह है कि मात्र एक दिन की बारिश में ही सड़क की यह स्थिति हो गई है, जिससे स्थानीय लोगों में आक्रोश है।ग्रामीणों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से जल्द से जल्द सड़क की सफाई और जल निकासी की उचित व्यवस्था कराने की मांग की है।ताकि लोगों को इस समस्या से राहत मिल सके।

चैती दुर्गा मंदिर में धूमधाम से चैती दुर्गा पूजा और मेला का होगा आयोजन

साहिबगंज : 19 मार्च से चैत्र नवरात्री शुरू हो रहा है। इस दिन हिन्दू ,हिन्दी नववर्ष विक्रम संवत 2083 की शुरूआत हो रही है। इस बार हिंदू नववर्ष गुरुवार को पड़ रहा है। इसलिए इस साल के राजा देवगुरु बृहस्पति होंगे। शहर में नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत सकरूगढ़ चैती दुर्गा मंदिर, रसूलपुर दहला चैती दुर्गा मंदिर, चौक बाजार दुर्गा मंदिर ओर जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र में जिरवाबाड़ी तुरी टोला चैती दुर्गा मंदिर में धूमधाम से चैती दुर्गा पूजा और मेला का आयोजन किया जाता है। पूजा समिति की ओर से भव्य पूजा पंडाल, आकर्षक प्रतिमा ओर विद्युत साज सज्जा सहित भव्य पूजा मेला आयोजन करने की तैयारी की जा रही है। बाजार भी सज धज कर तैयार है। वही चार दिवसीय सूर्य उपासना लोक आस्था नेम निष्ठा का महापर्व चैती छठ पूजा की शुरूआत 22 मार्च को नहाय खाय कद्दू भात से शुरू होगा, 23 मार्च को खरना, 24 मार्च को संध्या अर्ध, 25 मार्च को उगते हुए सूर्य को अर्ध देकर पारण है। 25 मार्च महासप्तमी के दिन मां चैती दुर्गा का पट भक्तों के लिए खुलेगा।

कैदी वार्ड में इलाज के दौरान बंदी की मौत

साहिबगंज : मण्डल कारा में बंद एक कैदी की जिला सदर अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।बरहेट थाना क्षेत्र के बरहेट सोनाजोरी का रहने वाला मोहम्मद नईम को चोरी के एक मामले में बरहेट पुलिस ने 13 मार्च को गिरफ्तार कर जेल भेजा था.मोहम्मद नईम चोरी के मामले में वारंटी था।उनके विरुद्ध जी आर नम्बर 433/18 था जिस मामले में वारंट इस्सू था।जेल में 15 मार्च को तबियत बिगड़ने पर साहिबगंज के सदर अस्पताल के कैदी वार्ड में भर्ती कराया गया। जहाँ इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई.सदर अस्पताल उपाधिक्षक डॉ देवेश कुमार बताते हैं की 15 मार्च को कैदी को सदर अस्पताल लाया गया। शुरू से मरीज की हालत गंभीर थी.हमारे डॉ द्वारा जाँच कर बाहर ले जाने की सलाह देते हुए रेफर कर दिया था।लेकिन उसके बाद भी नहीं ले जाया गया और उसकी मौत हो गई।बहरहाल कैदी के गिरफ्तारी के बाद तीन दिन के अंदर ऐसा क्या हुआ की कैदी की मौत हो गई यह एक जांच का विषय हैं।इस मामले में कोई भी कुछ बोलने से परहेज करते नजर आ रहे हैं।

आंगनबाड़ी केंद्र भवन निर्माण से संबंधित आयोजित समीक्षा बैठक संपन्न

दुमका : जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में सोमवार को जिला अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र भवन निर्माण से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न एजेंसियों को सौंपे गए आंगनबाड़ी केंद्र भवन निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान बताया गया कि एनआरईपी को कुल 76 आंगनबाड़ी केंद्र भवन निर्माण का दायित्व दिया गया है, जिसमें से 41 केंद्रों का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है, 18 केंद्र निमार्णाधीन हैं तथा 17 केंद्रों का कार्य अभी प्रारंभ नहीं हुआ है। इसी प्रकार भवन प्रमंडल को 48 आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण कार्य सौंपा गया था, जिनमें से 33 केंद्रों का निर्माण पूर्ण हो चुका है, 11 निमार्णाधीन हैं तथा 4 केंद्रों का कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है। वहीं विशेष प्रमंडल को कुल 204 आंगनबाड़ी केंद्र भवन निर्माण का दायित्व दिया गया है, जिसमें से 86 केंद्रों का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है, 78 केंद्र निमार्णाधीन हैं तथा 34 केंद्रों का कार्य अभी प्रारंभ नहीं हुआ है। उपायुक्त श्री सिन्हा ने सभी संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिया कि आंगनबाड़ी केंद्र भवन निर्माण कार्यों में तेजी लाते हुए लंबित कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण किया जाए, ताकि बच्चों एवं माताओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। बैठक में उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान सहित तकनीकी विभाग के अधिकारी मौजूद थे.

शोरूम के बाद अब घर में की चोरी, उड़ा ले गये लाख रुपए से अधिक की संपत्ति

संवाददाता

साहिबगंज : तीनपहाड़ स्थित पड़रिया बागान में चोरों ने मनोज सिंह के घर का ताला तोड़कर तीन लाख की संपत्ति चोरी कर ली। चोरों ने शातिराना अंदाज में सीसीटीवी का रिकॉर्डर भी गायब कर दिया। क्षेत्र में बढ़ती चोरियों से दहशत का माहौल है। जबकि तीन पहाड़ क्षेत्र स्थित पड़रिया बागान में अज्ञात चोरों ने एक घर का ताला तोड़कर करीब तीन लाख रुपये मूल्य की नकदी और जेवरात चोरी कर ली घटना रविवार देर रात की बतायी जा रही है।मामले को लेकर पीड़ित पक्ष ने तीनपहाड़ थाना में शिकायत दर्ज करायी है।जिसके बाद पुलिस जांच में जुट गयी है। जानकारी के अनुसार पड़रिया बागान निवासी मनोज कुमार सिंह के घर में चोरी की वारदात हुई।घर पर ताला लगा गये थे। लगमा हाट मनोज सिंह के साले रणधीर कुमार सिंह ने थाना में आवेदन देकर बताया कि वे अपने जीजा के घर में ही रहते हैं।और मां भगेश्वरी पेट्रोल पंप का हिसाब-किताब भी उनके जिम्मे रहता है। वह अपने बच्चे को छोड़ने के लिए घर पर ताला लगा लगमा हाट गये थे। इसी दौरान मौके का फायदा उठाकर अज्ञात चोरों ने घर के मुख्य दरवाजे का ताला तोड़ दिया और अंदर घुस गये. चोरों ने घर के दो अलमारियों को तोड़कर करीब 80 हजार रुपये नकद पांच दस और बीस रुपये के सिक्कों में लगभग 70 हजार रुपये उड़ा ले गये। इसके अलावा उनकी पत्नी की अलमारी से अंगूठी चेन और पायल समेत करीब डेढ़ लाख रुपये के जेवरात और जरूरी कागजात चोरी कर ली। इतना ही नहीं चोर घर में लगे सीसीटीवी कैमरे का सीडीआर भी अपने साथ ले गये। घटना की सूचना मिलने पर राजमहल के पुलिस इंस्पेक्टर राजीव रंजन तीनपहाड़ थाना के एएसआई ललन रजवार और पुलिस बल ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू की है।

एक सप्ताह में कई चोरी की घटनाओं से दहशत

इससे पहले भी 9 मार्च की रात को चोरों ने बैंक मोड़ के पास स्थित जीएम बजाज बाइक शोरूम और डिलेवरी लिमिटेड की ग्रिल तोड़कर करीब 1 लाख 86 हजार रुपये नकद और लगभग एक लाख रुपये कीमत के दो लैपटॉप चोरी कर ली थी। उस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया था। लेकिन एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी पुलिस किसी आरोपी को पकड़ नहीं पायी है।लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है।

क्या कहते हैं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी

राजमहल के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विमलेश कुमार त्रिपाठी ने कहा कि चोरी की घटनाओं में शामिल अपराधियों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।पुलिस मामले की जांच कर रही है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

तेज आंधी के साथ हुई बारिश ने जनजीवन हुआ प्रभावित

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में रविवार की देर शाम अचानक मौसम का मिजाज बिगड़ गया।तेज आंधी के साथ हुई बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया।अचानक आई तेज हवाओं के कारण कई स्थानों पर बड़े-बड़े पेड़ उखड़कर सड़कों पर गिर गए।जिससे कुछ समय के लिए आवागमन भी बाधित हो गया।तेज हवा का असर बिजली व्यवस्था पर भी देखने को मिला।कई जगहों पर बिजली के पोल गिर गए और तार क्षतिग्रस्त हो गए।जिसके कारण बरहरवा नगर समेत कई गांवों में बिजली आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई।जानकारी के अनुसार लगभग 18 से 20 घंटे तक कई मोहल्लों और ग्रामीण इलाकों में बिजली गुल रही।रात के समय अंधेरे के कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा वहीं बिजली नहीं रहने से पानी की आपूर्ति और अन्य दैनिक कार्य भी प्रभावित रहे।आंधी-बारिश का असर मकानों पर भी पड़ा। कई स्थानों पर टीन-शेड और कमजोर छप्पर उड़ जाने की खबर है।जिससे कुछ घरों को आंशिक नुकसान पहुंचा।सड़कों पर पेड़ गिर जाने से यातायात भी प्रभावित हुआ।हालांकि स्थानीय लोगों ने आपसी सहयोग से कई जगहों पर गिरे पेड़ों को हटाकर रास्ता साफ किया,जिससे धीरे-धीरे आवागमन सामान्य हो सका।वहीं दूसरी ओर इस आंधी और बारिश से किसानों को भी नुकसान उठाना पड़ा है।खेतों में तैयार खड़ी चना और गेहूं की फसल तेज हवा और बारिश के कारण कई जगहों पर गिर गई,जिससे उत्पादन पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।किसानों का कहना है कि यदि मौसम इसी तरह खराब रहा तो नुकसान और बढ़ सकता है।इधर बिजली विभाग की टीमों ने देर रात से ही क्षतिग्रस्त बिजली लाइनों और गिरे हुए पोलों को ठीक करने का काम शुरू कर दिया।विभाग के कर्मियों की लगातार मेहनत के बाद धीरे-धीरे विभिन्न इलाकों में बिजली आपूर्ति बहाल की जा सकी।अचानक आई इस आंधी और बारिश ने बरहरवा नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में काफी नुकसान और परेशानियां खड़ी कर दी हैं।हालांकि अब मौसम सामान्य होने लगा है,लेकिन लोगों और किसानों को हुए नुकसान की चर्चा पूरे क्षेत्र में बनी हुई है।

गंगा तट को स्वच्छ बनाए रखने की अपील

संवाददाता

साहिबगंज : नमामि गंगे योजना के अंतर्गत आयोजित गंगा स्वच्छता पखवाड़ा 2026 के शुभारंभ अवसर पर राजमहल स्थित सूर्यदेव घाट पर एक घंटा श्रमदान अपने देश के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य गंगा तट की स्वच्छता सुनिश्चित करना और आमजन में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।कार्यक्रम की शुरूआत राजमहल अनुमंडल पदाधिकारी श्री सदानंद महतो के ब्रीफिंग के साथ हुई। उन्होंने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए गंगा की स्वच्छता पर्यावरण संरक्षण जनसह भागिता के महत्व पर प्रकाश डाला और सभी से गंगा तट को स्वच्छ बनाए रखने की अपील की।कार्यक्रम का संचालन नगर पंचायत राजमहल के प्रभारी नगर प्रबंधक श्री जितेश कुमार चौधरी एवं डीपीओ नमामि गंगे साहिबगंज अमित मिश्रा द्वारा किया गया।

कन्या मध्य विद्यालय नील कोठी प्लस टू जेके उच्च विद्यालय व प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय के विद्यार्थियों व शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए गंगा तट पर श्रमदान किया। इसके साथ ही विभिन्न स्वयं सहायता समूहों की सदस्याओं नगर पंचायत राजमहल के पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने भी सक्रिय रूप से भागीदारी निभाई।कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों ने गंगा तट की साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। उपस्थित अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की कि वे गंगा की पवित्रता और स्वच्छता बनाए रखने में अपनी जिम्मेदारी निभाएं व स्वच्छता के प्रति सदैव जागरूक रहें।यह कार्यक्रम गंगा स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत जनभागीदारी के माध्यम से स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

जिला स्तरीय पशु मेला सह प्रदर्शनी संपन्न

संवाददाता

दुमका : सोमवार को जिला पशुपालन कार्यालय, दुमका के प्रांगण में एक दिवसीय जिला स्तरीय पशु मेला-सह-प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन उपायुक्त अभिजीत सिन्हा द्वारा किया गया। इस अवसर पर सहायक समाहर्ता, जिला पशुपालन पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी सहित जिले के सभी पशु चिकित्सा पदाधिकारी उपस्थित थे।

इस अवसर पर पशुपालकों को पशुपालन से संबंधित विभिन्न योजनाओं, आधुनिक तकनीकों तथा जीविकोपार्जन के अवसरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही गौ पालकों को सेक्स सॉर्टेड सीमेन तकनीक के बारे में विशेष रूप से जागरूक किया गया, जिससे लगभग 90 से 100 प्रतिशत तक बाछी (मादा बछड़ा) के जन्म की संभावना बढ़ जाती है।

कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त ने लाभुकों से संवाद भी किया। रामगढ़ प्रखंड के दिव्यांग लाभुक परमेश्वर महतो ने बताया कि लगभग 5 वर्ष पूर्व उन्हें योजना के तहत 4 बकरी एवं 1 बकरा प्राप्त हुआ था। उन्होंने बताया कि अपनी लगन और मेहनत से आज उन्होंने इसे बढ़ाकर कुल 29 बकरियों तक पहुंचा लिया है, जिससे उन्हें आर्थिक रूप से काफी सहयोग मिला और उनके जीवन स्तर में सुधार हुआ है। उपायुक्त ने इसे एक प्रेरणादायक उदाहरण बताते हुए अन्य लाभुकों से भी इससे सीख लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही परिसंपत्तियों को अपनी संपत्ति समझते हुए उसका समुचित उपयोग करें और उसे आगे बढ़ाकर अपनी आजीविका को सशक्त बनाएं। साथ ही उन्होंने कहा कि पशुपालन को अपनाकर ग्रामीण क्षेत्र के लोग आत्मनिर्भर बन सकते हैं और अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं।कार्यक्रम में उपायुक्त श्री सिन्हा ने मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना (वित्तीय वर्ष 2025-26) के अंतर्गत लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया । इसके अंतर्गत प्रखंड रामगढ़ में बत्तख चूजा वितरण योजना (30) के तहत 11 यूनिट, ब्रायलर कुक्कुट पालन योजना (500) का 1 यूनिट तथा दो गाय की योजना के 2 यूनिट वितरित किए गए। प्रखंड दुमका में पाँच गाय की योजना के 2 यूनिट एवं दो गाय की योजना के 5 यूनिट लाभुकों को दिए गए। प्रखंड सरैयाहाट में पाँच गाय की योजना का 1 यूनिट तथा बकरा विकास योजना (8+2) का 1 यूनिट वितरित किया गया। वहीं प्रखंड मसलिया में बत्तख चूजा वितरण योजना (30) के 10 यूनिट तथा बकरा विकास योजना (8+2) के 5 यूनिट लाभुकों के बीच वितरित किए गए।

जल आकलन रिपोर्ट की उपायुक्त ने की समीक्षा

मेदिनीनगर : पलामू जिला उपायुक्त समीरा एस ने सोमवार को कार्यालय कक्ष में जल महोत्सव पखवाड़ा के अंतर्गत कराए गए जल आकलन से संबंधित प्रतिवेदन की समीक्षा की। इस दौरान पलामू जिले के 19 पंचायतों से प्राप्त रिपोर्ट पर विस्तार से चर्चा करते हुए इस दौरान उपायुक्त ने जिला जल एवं स्वच्छता समिति के सदस्यों को निर्देश दिया कि जिन पंचायतों के अंतर्गत आने वाले स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं घरों में फंक्शनल हाउसहोल्ड टैप कनेक्शन की व्यवस्था नहीं है, उसकी जानकारी कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग को उपलब्ध कराएं ताकि वहां शीघ्र शुद्ध पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कार्यपालक अभियंता को जल अर्पण दिवस मनाने वाले गांवों के लिए यूजर आईडी तैयार करने का निर्देश दिया। साथ हीं पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जल अर्पण दिवस का आयोजन सुनिश्चित करने को कहा। जल महोत्सव पखवाड़ा के दौरान उपलब्ध कराए गए बजट के अनुसार राशि का समुचित उपयोग करने का भी निर्देश दिया। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता विभाग आदि के पदाधिकारी उपस्थित थे।

जिला स्तरीय स्वास्थ्य आरोग्य दूत एवं साथिया सम्मान सम्मेलन आयोजित

संवाददाता

साहिबगंज : सिद्धो-कान्हो सभागार साहिबगंज में राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत जिला स्तरीय स्वास्थ्य आरोग्य दूत व साथिया सम्मान सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए साथिया एवं स्वास्थ्य आरोग्य दूतों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा किशोर स्वास्थ्य से जुड़ी गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की गई।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सिविल सर्जन साहिबगंज डॉ0 रामदेव पासवान उपस्थित रहे। इसके अलावा जिला शिक्षा पदाधिकारी दुगार्नंद झा जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष, डीआरसीएचओ डॉ. अमि डॉ मोनिका राणा ज्वाइन डायरेक्टर बीपीएम डीपीसी बीपीएमयु के पदाधिकारी मीडिया प्रतिनिधि सहिया एएनएम दीदी सहित बड़ी संख्या में स्वास्थ्य कर्मी एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे।कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक रूप से पौधे में जलार्पण कर की गई। इसके पश्चात सभी मुख्य अतिथियों का स्वागत साथिया द्वारा नन्हा पौधा भेंट कर किया गया। यह पहल पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ जीवन के प्रति सकारात्मक संदेश देने का प्रतीक रही। सदर प्रखंड स्थित पोखरिया के सीएम पीएम श्री कन्या विद्यालय अन्य विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा नृत्य, नाटक एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की आकर्षक प्रस्तुति दी गई। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से किशोर स्वास्थ्य, स्वच्छता, पोषण एवं सामाजिक जागरूकता से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों को प्रभावी ढंग से दशार्या गया।जिसे उपस्थित सभी लोगों ने खूब सराहा।इस अवसर पर जिले में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 90 स्वास्थ्य आरोग्य दूत एवं 40 साथिया को मुख्य अतिथियों द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं उपहार देकर

सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों में काफी उत्साह देखा गया। यह सम्मान उनके द्वारा समुदाय में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना का प्रतीक है।

मुख्य अतिथि सिविल सर्जन साहिबगंज ने अपने संबोधन में कहा कि स्वस्थ समाज के निर्माण में किशोरों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए कहा कि साथिया एवं स्वास्थ्य आरोग्य दूत समुदाय और स्वास्थ्य व्यवस्था के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करते हैं। उन्होंने सभी साथिया और आरोग्य दूतों से अपने-अपने क्षेत्रों में किशोर स्वास्थ्य, पोषण, मानसिक स्वास्थ्य, स्वच्छता और जागरूकता से जुड़े संदेशों को व्यापक स्तर पर पहुँचाने का आह्वान किया।सम्मेलन में उपस्थित अन्य अतिथियों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए किशोर स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डाला तथा कहा कि ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को सही दिशा में मार्गदर्शन मिलता है। उन्होंने साथिया एवं आरोग्य दूतों के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने के लिए प्रेरित किया। प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि इस सम्मेलन से उन्हें किशोर स्वास्थ्य से जुड़ी कई महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त हुईं। साथ ही फील्ड स्तर पर बेहतर कार्य करने के लिए उन्हें नई ऊर्जा, प्रेरणा और मार्गदर्शन मिला। सम्मेलन का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

बेटे के जन्म के बाद काम पर लौटीं परिणीति चोपड़ा, चेहरे पर ब्लैक गॉगलस लगाए ग्रे ड्रेस में दिखा एलिगेंड लुक

बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा मां बनने के बाद से फिल्मों से दूर हैं और उन्हें अक्सर फैमिली के साथ एंजॉय करते देखा जाता है। इसी बीच हाल ही में इस एक्ट्रेस को बीते दिन मुंबई के अंधेरी इलाके में स्पॉट किया गया, जहां उनका बेहद स्टाइलिश और कॉन्फिडेंट अंदाज देखने को मिला। मां बनने के बाद परिणीति की पर्सनैलिटी में एक नया ग्लो देखने को मिला, जिसे फैंस भी खूब पसंद कर रहे हैं। उनका यह लेटेस्ट लुक सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

लुक की बात करें तो इस दौरान परिणीति चोपड़ा ग्रे कलर की लॉन्ग कोट-स्टाइल ड्रेस पहने नजर आईं। आउटफिट का डिजाइन काफी स्लीक और मिनिमल है, लेकिन इसकी फिटिंग और कट ने उनके पूरे लुक को बेहद एलिगेंट बना दिया। सादगी के साथ स्टाइल को कैरी करने का उनका यह अंदाज फैंस को काफी पसंद आ रहा है।

अपने लुक को कंप्लीट करने के लिए परिणीति ने छोटे ब्लैक सनग्लासेस लगाए और बालों को खुले रखा। इससे उनका लुक और भी सॉफ्ट और फ्रेश दिखा।

वहीं मेकअप की बात करें तो उन्होंने बहुत हल्का और नेचुरल मेकअप चुना, जिससे उनका चेहरा ग्लोइंग नजर रहा है।

एक्ट्रेस ने अपने इस आउटफिट के साथ ब्लैक कलर की हाई हील्स पहनी। सिंपल लेकिन स्टाइलिश फुटवियर ने उनके पूरे लुक को और ज्यादा स्मार्ट बना दिया।

परिणीति का कॉन्फिडेंट अंदाज, उनका चलने का स्टाइल और चेहरे पर स्माइल-इन सबने उनके लुक को और भी खास बना दिया। यही वजह है कि उनका यह अपीयरेंस सोशल मीडिया पर छा गया है।

खास बात यह है कि मां बनने के बाद परिणीति चोपड़ा एक बार फिर काम पर लौट आई हैं और अपने स्टाइलिश अंदाज से सबका ध्यान खींच रही हैं।

नोरा फतेही-संजय दत्त के अश्लील गाने 'सरके चुनर तेरी सरके' पर बैन की उठी मांग

हाईकोर्ट के वकील ने एमआईबी को भेजी शिकायत

फिल्म केडी द डेविल का गाना 'सरके चुनर तेरी सरके' रिलीज होते ही विवादों में आ गया है। गाने के लिरिक्स की काफी आलोचना हो रही हैं और इस पर अश्लीलता का आरोप लगाया जा रहा है। वहीं, इस गाने पर आपत्ति जताते हुए हाल ही में दिल्ली हाई कोर्ट के वकील विनीत जिंदल ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को शिकायत भेजी है। उन्होंने शिकायत में फिल्म के कथित अश्लील गाने पर रोक लगाने और उसे हटाने की मांग की है।

वकील विनीत जिंदल का आरोप है कि फिल्म का यह गाना अश्लील और अभद्र है, जिससे समाज में गलत मैसेज जाएग।

एनएचआरसी ने भी जारी किया नोटिस : वहीं, हाल ही में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने भी इस गाने के आपत्तिजनक और डबल मिनिंग वाले लिरिक्स के इस्तेमाल को लेकर एक नोटिस जारी किया है।

इसके अलावा सिंगर अरमान मलिक ने इस गाने को अश्लील बताते हुए इसका विरोध किया था।

बता दें, यह गाना एक्ट्रेस व डांसर नोरा फतेही और एक्टर संजय दत्त पर फिल्माया गया है। गाने के बोल गीतकार रकीब आलम ने लिखे हैं और फिल्म का निर्देशन प्रेम ने किया है।

अवॉर्ड इवेंट में कॉमेडी एक्टर्स को नहीं पूछे जाने पर अक्षय का बयान

ग्लिसरीन लगाकर रोना आसान लेकिन किसी को हंसाना मुश्किल

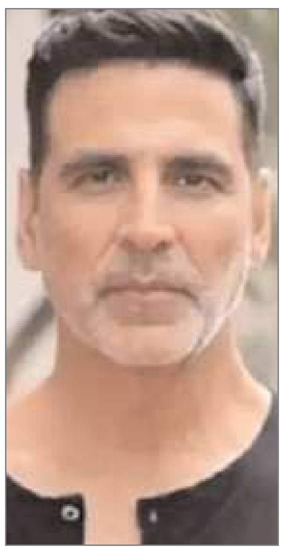

एक्टर अक्षय कुमार इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर सुर्खियों में हैं। उनकी इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। ऐसे में हाल ही में फिल्म की प्रमोशन में जुटे अक्षय कुमार ने कॉमेडी फिल्मों और अपने करियर को लेकर खुलकर बात की है। साथ ही निर्देशक प्रियदर्शन के साथ उनकी ट्यूनिंग पर भी बात की।

हाल ही में एक बातचीत में अक्षय कुमार ने बताया कि अपने फिल्मी सफर में उन्होंने करीब 150 फिल्मों में काम किया है और 70 से ज्यादा निर्देशकों के साथ काम करने का मौका मिला है, लेकिन निर्देशक प्रियदर्शन के साथ उनकी ट्यूनिंग खास रही है। प्रियदर्शन के साथ काम करना हमेशा मजेदार रहा है और उन्होंने उनसे कॉमेडी के बारे में बहुत कुछ सीखा है। निर्देशक राजकुमार संतोषी से भी उन्होंने कॉमिक टाइमिंग और अभिनय की बारीकियां समझीं। अगर उन्हें कॉमेडी का थोड़ा भी ज्ञान है तो उसमें इन निर्देशकों का बड़ा योगदान है। कॉमेडी किसी को सिखाई नहीं जा सकती, यह कलाकार के अंदर से आती है।

एक्टर का कहना है कि किसी सीन में ग्लिसरीन लगाकर रोना आसान है, लेकिन किसी को दिल से हंसाना बेहद मुश्किल काम होता है।

उन्होंने यह भी कहा कि अक्सर अवॉर्ड इवेंट्स में कॉमेडी करने वाले कलाकारों को उतनी पहचान नहीं मिलती, जितनी मिलनी चाहिए। उन्होंने शायद ही कभी देखा हो कि किसी ऐसे एक्टर को 'बेस्ट एक्टर' का अवॉर्ड मिला हो, जिसने पूरी फिल्म में कॉमेडी की हो। बड़े-बड़े कलाकार भी मानते हैं कि कॉमेडी सबसे कठिन शैली है।

वहीं, अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म 'भूत बंगला की बात करें तो इसमें उनके अलावा तब्बू, परेश रावल, मिथिला पालकर, वामिका गब्बी, राजपाल यादव, जिशु सेनगुप्ता और असरानी जैसे कलाकार अहम किरदार में नजर आएंगे। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी यह फिल्म 10 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सिनर पहली बार इंडियन वेल्स चैंपियन, मेदवेदेव हराए वूमंस सिंगल्स में रायबाकिना को हराकर सबालेंका विजेता

एजेंसी/ कैलिफोर्निया: अमेरिका के कैलिफोर्निया में खेले गए इंडियन वेल्स ओपन में इटली के जैनिक सिनर और बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने खिताब जीता। मेन्स सिंगल्स के फाइनल में सिनर ने रूस के डैनियल मेदवेदेव को हराकर अपना पहला इंडियन वेल्स टाइटल जीता। वहीं, वूमंस सिंगल्स में वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका ने एलिना रायबाकिना के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए ट्रॉफी अपने नाम की। सिनर ने इस जीत के साथ हार्ड कोर्ट पर होने वाले सभी बड़े खिताब अपने नाम कर लिए हैं। इनमें छह एटीपी मास्टर्स 1000, निट्टो एटीपी फाइनल्स, ऑस्ट्रेलियन ओपन और यूएस ओपन शामिल हैं।

इससे पहले यह उपलब्धि सिर्फ रोजर फेडरर और नोवाक जोकोविच के नाम थी। सिनर ने 2023 में टोरंटो में अपना पहला मास्टर्स 1000 खिताब जीता था और अगले तीन सालों के भीतर ही उन्होंने हार्ड कोर्ट के सभी बड़े एलीट खिताब अपने नाम कर लिए।

जैनिक सिनर ने फाइनल में पहला सेट टाईब्रेक में 7-6 (8-6) से जीता। इसके बाद दूसरे सेट में भी कड़ा मुकाबला हुआ, लेकिन सिनर ने इसे 7-6 (7-4) से अपने नाम कर लिया। खास बात यह रही कि सिनर ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी सेट नहीं गंवाया और सीधे सेटों में जीत दर्ज करते हुए पहली बार इंडियन वेल्स मास्टर्स वेल्स की ट्रॉफी अपने नाम की। वहीं, वूमंस सिंगल्स के फाइनल में आर्यना सबालेंका ने एलिना राय को 3-6, 6-3, 7-6 (8-6) से हराया।

फिल्म निर्देशक अनुराग बसु मनाली में फिल्म के लिए तलाश रहे लोकेशन

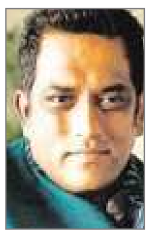

फिल्म निर्देशक अनुराग बसु इन दिनों कुल्लू मनाली में हैं और अपनी नई अनाम फिल्म की शूटिंग की तैयारियों में जुटे हुए हैं। अनुराग बसु मनाली के समीप रायसन क्षेत्र स्थित निजी रिजॉर्ट में ठहरे हुए हैं और लोकेशन का निरीक्षण कर रहे हैं। इस फिल्म में बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म की टीम भी धीरे-धीरे मनाली पहुंच रही है और जल्द ही यहां शूटिंग शुरू होने की संभावना है। एक बार फिर अनुराग बसु का मनाली पहुंचना क्षेत्र के पर्यटन और फिल्म गतिविधियों के लिहाज से महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है। अनुराग बसु की फल्मों की खासियत संवेदनशील कहानी, अलग शैली की सिनेमेटोग्रॉफी और मजबूत किरदार माने जाते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार उनकी टीम ने रायसन, नग्गर और मनाली के आसपास कई संभावित स्थानों का निरीक्षण किया है, जहां फिल्म के दृश्य फिल्माए जा सकते हैं। यदि मनाली में फिल्म की शूटिंग होती है, तो यह स्थानीय पर्यटन उद्योग के लिए भी सकारात्मक संकेत होगा।

बदल गया सलमान की फिल्म बैटल ऑफ गलवान का नाम, अब मातृभूमि के नाम के साथ होगी रिलीज

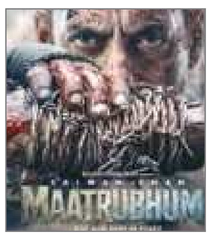

बॉलीवुड स्टार सलमान खान की आने वाली फिल्म बैटल ऑफ गलवान का नाम बदल गया है। अब यह फिल्म मातृभूमिः में वॉर रेस्ट इन पीस के नाम से रिलीज होगी। मेकर्स ने एक बहुत ही दमदार नया पोस्टर जारी किया है, जो न सिर्फ फिल्म के नाम में बदलाव को दिखाता है, बल्कि एक ऐसा संदेश भी देता है जो आज की दुनिया के लिए बहुत जरूरी है।इस नए टाइटल की सबसे खास बात इसकी टैगलाइन है मे वॉर रेस्ट इन पीस। इस सोच के साथ, सलमान खान ने एक बहुत बड़ी और गहरी बात कही है, जो सिर्फ लड़ाई-झगड़े की बात न करके, पूरी दुनिया में शांति की उम्मीद को जगाती है जहां यह फिल्म गलवान घाटी की ऐतिहासिक घटना से प्रेरित है, वहीं इसके नाम के पीछे छिपा संदेश रणभूमि की सीमाओं से कहीं आगे जाता है। मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस के जरिए सलमान खान एक ऐसी सोच सामने लाए हैं, जो दर्शकों के दिलों को गहराई से छू रही है।

इनसान हूं, मुझसे भी गलतियां हुई होंगी, कोहली-रोहित संग रिश्तों पर कोच गंभीर का कुबूलनामा

एजेंसी/ कोलकाता: भारतीय मेन्स क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने पहली बार ये माना है कि वह दिग्गज बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा के साथ अपने रिश्तों को बेहतर तरीके से संभाल नहीं पाए। सोमवार को कोलकाता में गंभीर ने माना कि पिछले डेढ़ साल में उनसे कुछ गलतियां हुई होंगी, लेकिन उनकी नीयत हमेशा सही रही। गंभीर ने कहा, मैं इनसान हूं और मुझे भी गलतियां करने की अनुमति होनी चाहिए। खिलाड़ियों को भी गलतियां करने का हक है, पिछले 18 महीनों में मुझसे भी गलतियां हुई होंगी और मैं इससे पीछे नहीं हटता। मैं हमेशा एक बात मानता हूं कि सही नीयत से लिया गया गलत फैसला भी स्वीकार किया जा सकता है, लेकिन गलत नीयत से लिया गया फैसला ड्रेसिंग रूम में बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है।

गंभीर ने आगे कहा, जब तक मैं अपने ड्रेसिंग रूम के सामने ईमानदारी से खड़ा होकर उनकी आंखों में देखकर बात कर सकता हूं, तब तक मुझे लगता है कि मैं अपनी जिम्मेदारी ठीक से निभा रहा हूं। गंभीर के कोच बनने के कुछ महीने बाद ही भारत के दो सबसे अनुभवी खिलाड़ियों विराट और रोहित शर्मा ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया। यह फैसला बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 में भारतीय टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद आया था।

टी-20 में हाथ सेट, टेस्ट खेलना चाहूंगा, सूर्यकुमार यादव बोले, वनडे क्रिकेट उन्हें रास नहीं आता

नई दिल्लीः भारत के विश्व कप विजेता कप्तान सूर्यकुमार यादव का कहना है कि वह टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहते हैं। वनडे क्रिकेट उन्हें रास नहीं आता, लेकिन टी-20 उनकी ताकत है, क्योंकि उसमें उनका हाथ सेट हो गया है। सूर्यकुमार याद ने एक इंटरव्यू में कभी-कभी मुंबई की आकर्षक हिंदी का उपयोग करते हुए नजर आए, जैसे कि हाथ सेट हो गया है जिसका अंग्रेजी में कोई सटीक अनुवाद नहीं है। सरल शब्दों में कहें तो उनका मतलब था कि वह अब क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप के उस्ताद बन चुके हैं और इसे खेलने में सहज महसूस करते हैं। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट न खेलने की अपनी निराशा के बारे में खुलकर बात की। सूर्यकुमार ने अपनी चिर परिचित मुस्कान के साथ याद दिलाया कि उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक टेस्ट मैच खेला था, जिसमें वह केवल एक पारी खेल पाए थे। सूर्यकुमार ने कहा, आपकी किस्मत में जो लिखा होता है, आपको वही मिलता है। मैंने भी लाल गेंद से क्रिकेट खेलना शुरू किया था और 10-12 साल तक रणजी ट्राफी खेली। मैंने मुंबई में लाल गेंद से बहुत क्रिकेट खेली है, क्योंकि अगर आप मुंबई में पले बढ़े होते हैं तो आप लाल गेंद से ही शुरूआत करते हैं, इसलिए सब कुछ लाल गेंद के इर्द-गिर्द ही घूमता है।

उन्होंने कहा, लेकिन धीरे-धीरे जब हमने सफेद गेंद से क्रिकेट खेलना शुरू की, तो मेरा झुकाव थोड़ा उसकी तरफ हो गया। इसके बाद मैं इस प्रारूप (टी20) में दिलचस्पी लेने लगा। मैंने वनडे (50 ओवर की क्रिकेट) में भी अच्छा खेलने की बहुत कोशिश की लेकिन कुछ खास नहीं कर पाया। भारतीय कप्तान ने कहा, टी20 क्रिकेट में जैसा चल रहा था, उसमें अपना हाथ सेट हो गया है, ऐसा बोल सकते हैं। सूर्यकुमार से जब पूछा गया कि अगर उन्हें मौका मिले तो क्या वह टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहेंगे? उन्होंने बिना किसी लाग लपेट के जवाब दिया, मुझे बहुत खुशी होगी, क्योंकि जैसा कि मैंने बताया कि मैंने 2010-11 से 2020 तक लाल गेंद से काफी क्रिकेट खेली है। दस साल तक लाल गेंद से खेलना बहुत लंबा समय होता है। मुझे इस प्रारूप से बेहद लगाव था। स्वाभाविक है कि अगर मौका मिले तो फिर कौन टेस्ट क्रिकेट नहीं खेलना चाहेगा। फिर भी 35 साल की उम्र में सूर्यकुमार के लिए टेस्ट टीम में जगह बनाना लगभग असंभव है। टेस्ट में उनका एकमात्र अनुभव 2023 में नागपुर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला गया मैच था, जब उन्होंने एक पारी में आठ रन बनाए थे। उसी साल उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे विश्व कप के फाइनल में हिस्सा लिया, जिसमें उन्होंने 28 गेंदों में 18 रन बनाए। भारत फाइनल हार गया और सूर्यकुमार उसके बाद इस प्रारूप में कभी नहीं खेल पाए।

कनाडा में मामूली झगड़े के बाद भारतीय युवक की हत्या

वैंक्छ वर: कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के सेंट जॉन इलाके में मामूली कहासुनी के दौरान कुछ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा एक भारतीय युवक की हत्या किए जाने की सूचना है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मध्य प्रदेश के उज्जैन शहर से संबंधित गुरप्रीत सिंह नाम का एक युवक उच्च शिक्षा के साथ-साथ अपने सुनहरे भविष्य के सपनों को साकार करने के लिए लगभग डेढ़ साल पहले ही भारत से कनाडा पहुंचा था और नॉर्दर्न लाइट्स कॉलेज में बिजनेस मैनेजमेंट के पोस्ट डिग्री डिप्लोमा कार्यक्रम की पढ़ाई कर रहा था। पुलिस द्वारा हत्या के जिम्मेदार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

इस्लामोफोबिया की काल्पनिक कहानियां गढ़ने में कोई कसर नहीं छोड़ता है पाकिस्तान , यून में भारत ने पाक को दिखाया आईना

नई दिल्ली : संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पार्वथनेनी हरिश ने एक बार फिर धार्मिक पहचान को राजनीतिक हथियार बनाए जाने की प्रवृत्ति पर चिंता जताई है। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान पर भी तीखा हमला बोला।

हरिश ने कहा कि आज दुनिया को यह समझने की जरूरत है कि धार्मिक पहचान का राजनीतिक इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है और इसमें राज्य तथा गैर-राज्य दोनों तरह के तत्व शामिल हैं। उन्होंने कहा कि भारत के पश्चिमी पड़ोसी पाकिस्तान ने अपने आसपास के क्षेत्रों में इस्लामोफोबिया की काल्पनिक कहानियां गढ़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि पाकिस्तान में अहमदिया समुदाय के खिलाफ हो रहे क्रूर दमन को क्या कहा जाएगा। इसके अलावा अफगान नागरिकों को बड़ी संख्या में जबरन वापस भेजे जाने और रमजान के पवित्र महीने के दौरान हवाई हमलों की घटनाओं को किस श्रेणी में रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि यह विडंबना है कि जो देश खुद इन मुद्दों में घिरा हुआ है, वही दूसरों पर आरोप लगाने में सबसे आगे रहता है।

भारत के स्थायी प्रतिनिधि ने यह भी कहा कि पाकिस्तान लगातार संगठन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन का इस्तेमाल भारत के खिलाफ एक राजनीतिक मंच के रूप में करता रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि डक्ठ की ओर से भारत पर कई बार झूठे और बेबुनियाद आरोप लगाए गए हैं। हरिश ने कहा कि भारत में मुसलमान, जिनमें जम्मू-कश्मीर के मुसलमान भी शामिल हैं, लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत अपने प्रतिनिधि चुनते हैं और अपनी बात खुलकर रखते हैं। उन्होंने कहा, भारत में इस्लामोफोबिया जैसी कोई स्थिति नहीं है। यहां हर समुदाय, मुस्लिम समुदाय सहित, शांति और सौहार्द के साथ रहता है।

उन्होंने संयुक्त राष्ट्र से अपील करते हुए कहा कि संगठन को अपना समय और संसाधन ऐसे समावेशी समाज के निर्माण में लगाना चाहिए जहां हर व्यक्ति को समानता, सम्मान और कानून के शासन का अधिकार मिले, चाहे वह किसी भी धर्म का हो।

ईरान में भारत का कूटनीतिक मास्टरस्ट्रोक , दुश्मन देशों को एक मंच पर लाकर 640 भारतीयों का हैरतअंगेज रेस्क्यू

नई दिल्ली: पश्चिम एशिया में लगातार गहराते युद्ध के संकट के बीच ईरान में फंसे भारतीय नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए भारत ने एक ऐसा कूटनीतिक चमत्कार कर दिखाया है, जिसे सामान्य तौर पर असंभव माना जाता था। भारतीय दूतावास और विदेश मंत्रालय की अभूतपूर्व सक्रियता के चलते ईरान से भारतीयों को सड़क मार्ग के जरिए अर्मेनिया और अजरबेजान सुरक्षित पहुंचाया जा रहा है। सबसे बड़ी हैरानी की बात यह है कि अर्मेनिया और अजरबेजान न सिर्फ एक-दूसरे के कट्टर दुश्मन हैं, बल्कि भारत के साथ भी अजरबेजान के रिश्ते काफी तनावपूर्ण रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अजरबेजान ने खुलकर पाकिस्तान का साथ दिया था, लेकिन भारत की कूटनीतिक ताकत के आगे अब उसने भी मदद के लिए अपने दरवाजे खोल दिए हैं।

दो दिन में 640 नागरिकों का सफल रेस्क्यू, 284 श्रद्धालु भी शामिल: इस बेहद जटिल और तनावपूर्ण माहौल के बावजूद पिछले दो दिनों के भीतर ईरान से 640 भारतीयों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। इनमें से 550 नागरिकों को अर्मेनिया और 90 भारतीयों को अजरबेजान की सीमा में सफलतापूर्वक पहुंचाया गया है, जहां से अब उन्हें स्वदेश या अन्य सुरक्षित स्थानों पर भेजने की पुख्ता व्यवस्था की जा रही है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस मिशन की जानकारी देते हुए बताया कि तेहरान से बाहर निकाले गए इन नागरिकों में 284 वे श्रद्धालु शामिल हैं, जो वहां धार्मिक यात्रा पर गए हुए थे।

ठप संचार और खतरे के साये में डटा है भारतीय दूतावास: आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, इस वक्त ईरान में लगभग 9,000 भारतीय रह रहे हैं, जिनमें सबसे बड़ी संख्या पढ़ाई करने गए छात्रों की है। इसके अलावा कई कारोबारी, धार्मिक यात्री और समुद्री जहाजों पर काम करने वाले कर्मचारी भी वहां फंसे हुए हैं। मौजूदा युद्ध जैसे हालातों में भारतीय मिशन की सर्वोच्च प्राथमिकता छात्रों और अन्य संवेदनशील समूहों को जल्द से जल्द सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाना है। सूत्रों का कहना है कि पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर पहुंचने के कारण ईरान में सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह अस्थिर हो गई है और संचार के साधन भी लगभग ठप पड़ चुके हैं। कई इलाकों में तो सिर्फ सरकारी अनुमति से ही संपर्क साधा जा पा रहा है। इन जानलेवा और मुश्किल परिस्थितियों के बीच तेहरान स्थित भारतीय दूतावास के अधिकारी भारी जोखिम उठाकर लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन को अंजाम दे रहे हैं।

अप्रैल से आम आदमी की जेब पर पड़ेगा भारी डाका, कार से लेकर टीवी-फ्रिज और एसी तक सब होने जा रहा है महंगा

नई दिल्ली: अगर आप गर्मी के इस मौसम में नया एसी, टीवी, फ्रिज या फिर कोई नई कार खरीदने का मन बना रहे हैं, तो आपके लिए यह एक झटके वाली खबर हो सकती है। आगामी 1 अप्रैल से आपकी रोजमर्रा के इस्तेमाल से जुड़ी कई जरूरी चीजों की कीमतों में भारी उछाल आने वाला है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, कच्चे माल की तेजी से बढ़ती कीमतों और ट्रांसपोर्टेशन के बढ़ते खर्च के कारण बाजार में इन सामानों के दाम 5 से 6 प्रतिशत तक बढ़ सकते हैं। यानी अगले महीने से अपनी जरूरत का सामान घर लाने के लिए आपको अपनी मेहनत की कमाई का एक बड़ा हिस्सा खर्च करना पड़ेगा।

कच्चे माल और माल ढुलाई की बढ़ी लागत ने बिगाड़ा बजट: कंपनियों द्वारा अचानक दाम बढ़ाने की तैयारी के पीछे सबसे बड़ा कारण अंतरराष्ट्रीय और घरेलू बाजार में कच्चे माल का महंगा होना है। इलेक्ट्रॉनिक सामान और ऑटोमोबाइल सेक्टर में भारी मात्रा में इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक, रेजिन और पॉलिमर की कीमतों में अचानक बड़ी तेजी देखने को मिली है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर माल ढुलाई (फ्रेट रेट) की दरों में भी 7 से 10 प्रतिशत तक का भारी इजाफा हुआ है। जाहिर है, जब कंपनियों को प्रोडक्ट बनाने और उसे बाजार तक पहुंचाने में ज्यादा खर्च करना पड़ेगा, तो वे अपनी इस बढ़ती लागत का सीधा बोझ ग्राहकों की जेब पर ही डालेंगी।

लग्जरी कारों के साथ-साथ आम गाड़ियां भी भरेंगी उड़ान: इस महंगाई की मार से ऑटोमोबाइल सेक्टर भी अछूता नहीं रहने वाला है। कई प्रमुख कार निमार्ता कंपनियां अपनी गाड़ियों की कीमतों में 2 से 3 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करने पर गंभीरता से विचार कर रही हैं। मर्सिडीज-बेंज और ऑडी जैसी लग्जरी कार निमार्ता कंपनियों ने तो पहले ही आधिकारिक तौर पर यह घोषणा कर दी है कि वे 1 अप्रैल से अपनी कारों की कीमतों में लगभग 2 प्रतिशत का इजाफा करने जा रही हैं। वहीं, आम आदमी के बजट की कारें बनाने वाली कंपनियां भी अब अपने नए रेट तय करने की अंतिम प्रक्रिया में जुट गई हैं।

जयराम रमेश ने 1956 के स्वेज संकट को किया याद, बोले-

भारत की कूटनीति ने निभाई थी अहम भूमिका

नई दिल्ली : दुनिया इस समय होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते तनाव से जूझ रही है, ऐसे में कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने मंगलवार को 1956 के स्वेज संकट को याद करते हुए उस दौर की कूटनीतिक कोशिशों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उस समय भारत के वरिष्ठ राजनयिक वीके कृष्ण मेनन संकट को सुलझाने की कोशिशों के केंद्र में थे।

70 साल पहले की किस घटना को किया याद?

रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि 70 साल पहले दुनिया स्वेज संकट से जूझ रही थी। 26 जुलाई 1956 को मिस्त्र के राष्ट्रपति गमाल अब्देल नासिर ने स्वेज नहर का राष्ट्रीयकरण कर दिया था, जिससे पश्चिमी देशों में तीखी प्रतिक्रिया हुई और युद्ध जैसे हालात बन गए।

उन्होंने बताया कि 29 अक्तूबर 1956 को ब्रिटेन, फ्रांस और इस्त्राइल ने मिस्त्र पर हमला कर दिया था, लेकिन कुछ ही दिनों में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति ड्वाइट आइजनहावर के हस्तक्षेप के बाद उन्हें पीछे हटना पड़ा। रमेश ने यह भी याद दिलाया कि यही आइजनहावर तीन साल पहले ईरान के प्रधानमंत्री मोहम्मद मोसद्देग को हटाने के संयुक्त अभियान को मंजूरी दे चुके थे।

रमेश के अनुसार, नवंबर 1956 की शुरूआत में संघर्ष रुकने के बाद संयुक्त राष्ट्र की एक आपातकालीन सेना को सिनाई और गाजा क्षेत्र में तैनात किया गया था, जिसमें भारत सहित 10 देशों की भागीदारी थी। इस बल ने जून 1967 तक वहां शांति बनाए रखने में भूमिका निभाई।

भारत ने क्या निभाई थी भूमिका? : उन्होंने बताया कि इस मिशन में भारत की अहम भूमिका रही दिसंबर 1959 से जनवरी 1964 तक लेफ्टिनेंट जनरल पीएस ज्ञानि और जनवरी 1966 से जून 1967 तक मेजर जनरल इंदरजीत रिक्ये ने इसकी कमान संभाली। साथ ही, 20 मई 1960 को तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने गाजा में भारतीय सैनिकों को संबोधित भी किया था। रमेश ने कहा कि यूएनईएफ के हटने के तुरंत बाद ही छह-दिवसीय युद्ध शुरू हो गया था, जो क्षेत्र में एक बड़े संघर्ष का कारण बना।

होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर दबाव डाला: यह ऐतिहासिक संदर्भ ऐसे समय में सामने आया है जब होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव के चलते वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर दबाव बढ़ रहा है। दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल का परिवहन इसी मार्ग से होता है, लेकिन हालिया हमलों के कारण जहाजों की आवाजाही काफी धीमी हो गई है।

ईरान द्वारा वाणिज्यिक जहाजों पर हमलों की वजह से तेल की कीमतों में तेज उछाल आया है, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था और उपभोक्ताओं पर दबाव बढ़ गया है। अमेरिका पर भी स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कदम उठाने का दबाव बढ़ता जा रहा है।

ईरान युद्ध का स्थाई अंत चाहता है, देश जल्द ही जीत का जश्न मनाएगा : अराघची

,2

तेहरान: ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि ईरान अपनी भूमि पर अमेरिका और इजरायल के साथ जारी युद्ध का स्थाई अंत चाहता है और उम्मीद है कि देश जल्द ही विजय का जश्न मनाएगा। अराघची ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि ईरान ने अपने विरोधियों को कोई संदेश नहीं भेजा है और न ही संघर्षविराम की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष इस तरह समाप्त होना चाहिए कि भविष्य में दुश्मन दोबारा इस प्रकार की आक्रामक कार्रवाई करने का साहस न कर सकें। उन्होंने कहा कि ईरान युद्ध का इच्छुक नहीं है, लेकिन वह चाहता है कि मौजूदा संघर्ष का अंत इस तरह हो जिससे भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति की संभावना ही समाप्त हो जाए।

विदेश मंत्री ने कहा कि पिछले महीने अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान के खिलाफ शुरू की गई सैन्य कार्रवाई के जवाब में ईरान ने तुरंत कई चरणों में जवाबी हमले किए और अमेरिकी तथा इजरायली ठिकानों को निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष भी जब ईरान के खिलाफ आक्रामक कार्रवाई हुई थी, तब विरोधी पक्ष ईरान से बिना शर्त

आत्मसमर्पण की मांग कर रहे थे, लेकिन बाद में उन्होंने ही संघर्षविराम की मांग की थी।

अराघची ने संघर्ष के शुरूआती चरण में ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला सैयद अली खामेनेई की मृत्यु पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी शहादत पूरे राष्ट्र के लिए सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने इस संघर्ष में कई वरिष्ठ अधिकारियों, आम नागरिकों और बच्चों के मारे जाने का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यह अवधि देश के लिए कठिन रही है, लेकिन ईरान की दृढ़ता, रक्षा और जवाबी कार्रवाई पूरे राष्ट्र के लिए गर्व का विषय है।

अराघची ने होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद किए जाने के सवाल पर कहा कि यह मार्ग ईरान के दुश्मनों और आक्रमण करने वाले देशों को छोड़कर अन्य देशों के लिए खुला है। उन्होंने कहा कि अब तक विरोधी पक्ष को स्पष्ट संदेश मिल चुका है कि ईरान अपनी रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाने को तैयार है और आवश्यकता पड़ने पर संघर्ष जारी रखेगा।

दूसरी ओर, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग के बंद होने के मद्देनजर चीन, फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया, ब्रिटेन और अन्य देशों से इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग की सुरक्षा के लिए युद्धपोत भेजने की अपील की है। उन्होंने चेतावनी भी दी है कि यदि सहयोगी देश मदद नहीं करते हैं तो नाटो के लिए भविष्य बहुत खराब हो सकता है।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार अब तक ऑस्ट्रेलिया और जापान ने स्पष्ट किया है कि वे फिलहाल अपने जहाज भेजने की योजना नहीं बना रहे हैं। ब्रिटेन ने कहा है कि वह विकल्पों पर विचार कर रहा है, जबकि चीन ने संघर्ष को तत्काल समाप्त करने का आह्वान किया है। अराघची ने साफ किया है कि जो देश जलडमरूमध्य के सुरक्षित उपयोग को लेकर बातचीत करना चाहते हैं, उनके साथ ईरान चर्चा के लिए तैयार है।

अमेरिका और इजरायल की ओर से ईरान के खिलाफ युद्ध शुरू करने के बाद से अब तक राजधानी तेहरान में कम से कम 500 लोग मारे गए हैं और 5,700 लोग घायल हुए हैं। ईरान के मार्कजी प्रांत में सोमवार को कम से कम पांच लोगों की मौत हुई, जबकि सात अन्य घायल हो गये। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार ये हमले अलग-अलग स्थानों पर किए गए। इस बीच, पश्चिम एशिया में इस युद्ध की लपटें सोमवार को भी फैलती रहीं। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के फुजैराह में एक पेट्रोलियम केन्द्र पर ड्रोन हमले के बाद आ लग गयी, हालांकि इसपर समय रहते काबू पा लिया गया।

बिहार राज्यसभा चुनाव में एनडीए का शानदार प्रदर्शन

नीतीश-नितिन और उपेंद्र कुशवाहा सहित पांचों उम्मीदवार जीते

पटना : बिहार में राज्यसभा चुनाव में एनडीए के सभी पांचों प्रत्याशी चुनाव जीत गए हैं। सोमवार की शाम को मतगणना के बाद एनडीए के सभी उम्मीदवार नीतीश कुमार, नितिन नवीन, उपेंद्र कुशवाहा, रामनाथ ठाकुर और शिवेश राम को विजयी घोषित किया गया। बताया गया कि एनडीए के पांचवें उम्मीदवार शिवेश कुमार को द्वितीय वरीयता के आधार पर जीत मिली है, लेकिन उन्होंने सबसे अधिक मत प्राप्त किया। चुनाव में महागठबंधन की ओर से राजद ने अमरेंद्र धारी सिंह को मैदान में उतारा था, जिसके बाद पांचवीं सीट को लेकर पेंच फंस गया था। राज्यसभा चुनाव के कारण बिहार की राजनीति में कई बड़े बदलाव होना तय है। नीतीश कुमार के ऊपरी सदन में जाने से राज्य का मुख्यमंत्री पद छोड़ना पड़ेगा। इधर, जीत के बाद जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने सभी उम्मीदवारों को बधाई देते हुए कहा कि यह पहले से तय था। हम लोगों ने इससे पहले विधानसभा चुनाव में भी एकजुटता के साथ लड़ा था और आज इस चुनाव का परिणाम भी सबके सामने है। इधर, विपक्ष ने सत्ता पक्ष पर खरीद-फरोख्त का आरोप लगाया है। बताया गया कि इस चुनाव में एक सीट जीतने के लिए 41 वोट की आवश्यकता थी, लेकिन महागठबंधन के चार विधायक मतदान में शामिल नहीं हुए। इनमें कांग्रेस के तीन और राजद के एक विधायक शामिल बताए गए हैं। इस अनुपस्थिति ने चुनावी गणित को पूरी तरह बदल दिया। एनडीए के सभी 202 विधायकों ने वोट डाला, जबकि विपक्षी महागठबंधन के चार विधायकों ने मतदान नहीं किया। राज्यसभा चुनाव का परिणाम महागठबंधन के लिए बड़ा राजनीतिक झटका माना जा रहा है।

बंगाल की 114 और केरल की 47 सीटों पर बीजेपी ने उतारे उम्मीदवार, पहली लिस्ट में दिग्गजों के नाम फाइनल

नई दिल्ली: आगामी विधानसभा चुनावों में जीत का परचम लहराने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने अपनी राजनीतिक बिसात बिछानी शुरू कर दी है। पार्टी ने एक बड़ा कदम उठाते हुए पश्चिम बंगाल और केरल के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली और अहम सूची जारी कर दी है। इस लिस्ट में पश्चिम बंगाल की 114 और केरल की 47 महत्वपूर्ण सीटों पर उम्मीदवारों के नामों पर मुहर लगा दी गई है। चुनाव की तारीखों से पहले ही बीजेपी की इस बड़ी घोषणा ने दोनों राज्यों में राजनीतिक सरगर्मियां तेज कर दी हैं और चुनावी रणभेरी बज चुकी है।

बंगाल में 114 सीटों पर फोकस: पश्चिम बंगाल की सत्ता तक पहुंचने के लिए बीजेपी अपनी पूरी ताकत झोंक रही है। पार्टी ने जिन 114 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं, उनमें उन क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है जहां पिछले चुनावों में पार्टी का प्रदर्शन शानदार रहा था। आलाकमान ने जहां एक तरफ अपने पुराने और कद्दावर नेताओं पर फिर से भरोसा जताया है, वहीं सत्ता विरोधी लहर (एंटी-इन्कंबेंसी) की संभावनाओं को खत्म करने के लिए कई सीटों पर युवा और नए चेहरों को भी चुनावी मैदान में उतारा है।

रणनीतिकारों का मानना है कि इतनी जल्दी उम्मीदवारों का ऐलान करने से नेताओं को अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में जनता से जुड़ने और प्रचार करने का पर्याप्त समय मिल जाएगा।

केरल में 47 सीटों से वामपंथी किले में सेंध लगाने की तैयारी: दक्षिण के अहम राज्य केरल में भी अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने के लिए बीजेपी ने 47 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। राज्य में एलडीएफ (छऊ्रह्र) और यूडीएफ (वऊ्रह्र) के पारंपरिक वर्चस्व को चुनौती देने के लिए पार्टी ने एक खास रणनीति तैयार की है। यहां टिकट वितरण में जातिगत समीकरणों के साथ-साथ मेट्रो मॉडल और विकास के एजेंडे को मुख्य आधार बनाया गया है। यही वजह है कि पार्टी ने पूर्व नौकरशाहों और जमीनी स्तर पर काम करने वाले सामाजिक कार्यकताओं को भी चुनावी समर में उतारा है। बीजेपी को उम्मीद है कि ये 47 उम्मीदवार केरल के दक्षिणी और मध्य इलाकों में पार्टी के वोट बैंक में सेंधमारी करने में कामयाब होंगे।

भाजपा की पहली लिस्ट में मंजेश्वर सीट से के. सुरेंद्रन, उदमा सीट से मैनुअल मेलोथ, कन्हानगड सीट से बलराज एम, पय्यान्नूर सीट से एपी. गंगाधरन, अजिकोड सीट से के.के. विनोद कुमार, कन्नूर सीट से सी. रघुनाथ, मनंथवाडी (एसटी) सीट से पी. श्याम राज, सुल्तानबथेरी (एसटी) सीट से कविता ए.एस., वडकारा सीट से एडवोकेट के. दिलीप, कुट्टियाडी सीट से रामदास मनलेरी, नादापुरम सीट से सीपी. विपिन चंद्रन, क्विलांडी सीट से सी.आर. प्रफुल कृष्णन और पेराम्बरा सीट से एम. मोहनन मास्टर के नाम हैं। पार्टी ने बलुस्सेरी (एससी) सीट से सीपी. सतीशन, एलाथुर से टी. देवदास, कोझिकोड नॉर्थ से नव्या हरिदास, कोझिकोड साउथ सीट से टी. रनीश, बेपोर से एडवोकेट के.पी. प्रकाश बाबू और कुन्नामंगलम से वीके सजीवन को टिकट दिया है। साथ ही जहां शोरनूर से संकु टी. दास, ओट्टापालम से मेजर रवि, मलमपुझा से सी. कृष्णकुमार, पलक्कड़ सीट से सोभा सुरेंद्रन, चेलक्करा (एससी) से के. बालकृष्णन चुनाव लड़ेंगे, वहीं मनलूर से एडवोकेट केके अनीश कुमार, त्रिशूर से पद्मजा वेणुगोपाल, इरिंजालकुडा से संतोष चेराकुलम, देविकुलम (एससी) से एस. राजेंद्रन और पाला से शोन जॉर्ज को उम्मीदवार बनाया गया है।

भाजपा ने वैकोम (एससी) से के. अजित, कंजिरापल्ली से एडवोकेट जॉर्ज कुरियन, पूंजार से पीसी जॉर्ज, अंबलाप्पुझा से अरुण अनिरुद्धन, हरिपाड सीट से संदीप वचस्पति और चेंगन्नूर से एमवी गोपकुमार पर भरोसा जताया है।

दांव पर दिग्गजों की साख: बंगाल और केरल में बीजेपी के उम्मीदवारों की इस लिस्ट के सामने आने के बाद मुकाबला बेहद दिलचस्प हो गया है। बंगाल में टीएमसी और केरल में वामपंथी दलों के खिलाफ बीजेपी ने एक बेहद मजबूत चक्रव्यूह रच दिया है। टिकट बंटवारे में इस बात पर सबसे ज्यादा जोर दिया गया है कि संबंधित नेता की स्थानीय स्तर पर जनता के बीच अच्छी और मजबूत पकड़ हो। आने वाले कुछ ही दिनों में बाकी बची हुई सीटों पर भी उम्मीदवारों के नामों का ऐलान होने की पूरी संभावना है, जिसके बाद दोनों राज्यों में चुनावी रैलियों और प्रचार अभियान में और भी ज्यादा तेजी देखने को मिलेगी।

न्यूज IN ब्रीफ

हटिया ट्रेन का मार्ग 18 को बदलेगा

जमशेदपुर : आद्रा रेल मंडल में लाइन ब्लॉक के कारण टाटानगर-हटिया एक्सप्रेस का मार्ग 18 मार्च को चांडिल के बाद बदल जाएगा जबकि, आनंद विहार-पुरी पुरुषोत्तम एक्सप्रेस का परिचालन 20 व 22 मार्च को प्रभावित होगा। डाउन में ट्रेन बोकारो या किसी स्टेशन के आसपास आधे घंटे रोकने की योजना है। वहीं, धनबाद-झारग्राम मेमू ट्रेन भी 18, 19 व 22 मार्च को धनबाद से एक घंटे लेट रवाना होगी। इससे सैकड़ों यात्रियों के आवागमन में दिक्कत होगी।

विजया गार्डन में हिंदू सम्मेलन, जागरूकता पर जोर

जमशेदपुर : विजया गार्डन स्थित शाखा मैदान में रविवार को विराट हिंदू सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। शाम साढ़े पांच बजे शुरू हुए कार्यक्रम में लगभग 350 से अधिक प्रबुद्ध नागरिक और हिंदू समाज के प्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत रविंदर साहू के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने सम्मेलन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता आलोक पाठक ने समाज के सशक्तीकरण पर जोर देते हुए कहा कि समाज में सत्य की प्रतिष्ठा तभी संभव है, जब उसके पीछे शक्ति खड़ी हो। उन्होंने कहा कि राष्ट्र का निर्माण व्यक्तियों के चारित्रिक, शारीरिक और आध्यात्मिक बल से होता है। आने वाले वर्षों में भारत को विश्व पटल पर सर्वोच्च स्थान दिलाने के लिए प्रत्येक नागरिक को कर्तव्यों के प्रति जागरूक होना होगा। विशिष्ट वक्ता अरुण मिश्रा ने समाज में फैल रहे गलत नैरेटिव के प्रति सावधान रहने और सज्जन शक्तियों को एकजुट करने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि इंद्रदेव त्रिवेदी और जनार्दन ने भी समाज को संगठित रहने का संदेश दिया। अंत में भारत माता की आरती और प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। संचालन रमाशंकर ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन शंभू ने किया।

दुष्कर्म केस में 19 को होगी सजा

जमशेदपुर : धातकीडीह निवासी मो. तौहिद के खिलाफ पोक्सो विशेष अदालत में नाबालिग से दुष्कर्म का दोष सिद्ध हो गया। दोषी के खिलाफ अदालत में सजा के बिंदू पर सुनवाई 19 मार्च को होगी। बताया जाता है कि, आरोपी ऑटो चालक है। उसने नाबालिग की मां से शादी कर दुष्कर्म किया था। दूसरी ओर, जादुगोड़ा के एक दुष्कर्म मामले में भी जिला एडीजे की अदालत में आरोपी के खिलाफ दोष सिद्ध हुआ है।

महिला से पर्स छिनतई करने वाले दो बदमाश धराए

जमशेदपुर : बिष्टुपुर थाना अंतर्गत मोदी पार्क के पास रविवार की रात एक महिला से पर्स छिनतई करने के मामले में पुलिस ने दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में कपाली डैमडूबी निवासी मो अलफाक कुरैशी और आशिक अंसारी उर्फ आशू शामिल है। पुलिस ने आरोपियों के पास से महिला का पर्स, घटना में प्रयुक्त बाइक और अन्य सामान बरामद किया है। इधर, सोमवार रात आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजने से पूर्व पुलिस ने आरोपियों को सड़क पर पैदल घुमाया। हालांकि पुलिस का कहना है कि उनकी गाड़ी खराब हो गई थी, जिस कारण आरोपियों को पैदल ले जाया गया। थाना प्रभारी आलोक दुबे ने बताया कि रविवार रात स्कूटी से जा रही एक महिला से बाइक सवार बदमाशों ने पर्स की छिनतई कर ली थी। महिला ने बाइक सवार का पीछा भी किया पर कुछ दूर जाने के बाद वह सड़क पर गिरकर घायल हो गई। सूचना मिलने पर पेट्रोलिंग कर रहे जवानों ने बदमाशों को खदेड़कर पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

छह अप्रैल से हड़ताल पर जाएंगे राज्य भर के जूनियर डॉक्टर

जमशेदपुर : जूनियर डॉक्टर स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर हर सोमवार को काला बिल्ला लगाकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। वहीं, छह अप्रैल से राज्य भर के मेडिकल कॉलेज के जूनियर डॉक्टर हड़ताल पर चले जाएंगे। हालांकि इसमें इमरजेंसी सेवा जारी रहेगी। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन-जूनियर डॉक्टर नेटवर्क (आईएमए-जेडीएन) काफी समय से अपने जूनियर डॉक्टरों के स्टाइपेंड वृद्धि की मांग कर रहा है। इसके लिए वे लोग मंत्री, प्रधान सचिव, संयुक्त सचिव आदि स्तर पर मांग कर चुके हैं। मुख्यमंत्री को भी पत्र लिख चुके हैं। इन लोगों की फाइल कैबिनेट तक पहुंच चुकी है, लेकिन अबतक इसमें वृद्धि नहीं हुई है। इसके विरोध में ये डॉक्टर अब अपना आंदोलन तेज करेंगे और इसी क्रम में वे लोग 16 मार्च से प्रत्येक सोमवार को काला बिल्ला लगाकर प्रदर्शन करेंगे।
इस बीच सरकार यदि इसपर निर्णय लेती है तो ठीक है। नहीं तो ये लोग छह अप्रैल से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाएंगे। इसमें राज्य के सभी पांचों सरकारी मेडिकल कॉलेज के जूनियर डॉक्टर हड़ताल पर रहेंगे। इन जूनियर डॉक्टरों में ईटर्न, पीजी, जेआर और सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर शामिल होंगे। आईएमएजेडीएन झारखंड के चेयरमैन डॉ. सुशील कुमार, सचिव डॉ. राघवेन्द्र कुमार, जेडीए एमजीएम के डॉ. गणेश श्रीवास्तव ने कहा कि दूसरे राज्यों यहां तक कि बिहार में जूनियर डॉक्टर के स्टाइपेंड यहां से अधिक हैं, जिसे बढ़ाने की वे लोग काफी समय से मांग कर रहे थे, लेकिन सरकार गंभीरता से नहीं ले रही थी। इसलिए उन्हें मजबूर होकर यह निर्णय लेना पड़ा।

गोलमुरी में युवक पर चापड़ से जानलेवा हमला, 25 हजार छीने

जमशेदपुर : गोलमुरी थाना क्षेत्र के नीलडीह ब्रिज के पास रविवार दोपहर नामदा बस्ती निवासी चिराग सिंह पर जानलेवा हमला किया गया। करीब 15 से 20 हमलावरों ने चापड़, लाठी और डंडों से हमला किया। इससे चिराग गंभीर रूप से घायल हो गया। हमले के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई। चिराग को परिजनों ने एमजीएम अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है। चिराग की बुआ सोनिया ने बताया कि वह चेसिस चलाने का काम करता है। रविवार को एक गेस्ट हाउस से चेसिस से संबंधित कागजात लेने गया था। लौटते समय उसके पास 25 हजार रुपये नकद थे। नीलडीह ब्रिज के पास पहुंचते ही बस्ती के ही देवा, राजू, गब्बर और जसप्रति समेत अन्य लोगों ने उसे घेर लिया। आरोप है कि सभी ने मिलकर चापड़ और लाठी-डंडों से हमला किया तथा उसके पास मौजूद 25 हजार रुपये छीन लिए।परिजनों के अनुसार, शनिवार रात भी आरोपियों ने चिराग के साथ मारपीट की थी, लेकिन तब थाने में शिकायत दर्ज नहीं कराई गई। आशंका है कि उसी विवाद के कारण रविवार को दोबारा हमला किया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस जांच में जुट गई है। घायल युवक का अस्पताल में इलाज जारी है।

87 बकायेदारों के काटे बिजली कनेक्शन

धनबाद : बिजली विभाग ने सोमवार को 87 बकायेदारों के घरों के कनेक्शन काटे। इस दौरान कई लोगों ने मौके पर बिल का भुगतान किया। इससे विभाग के राजस्व में लाखों रुपए के राजस्व की प्राप्ति हुई। वहीं अधिकारियों का कहना है कि इन उपभोक्ताओं पर 15 हजार से अधिक बकाया था। इस कारण कनेक्शन काटा गया। जिन उपभोक्ताओं का बकाया अधिक है। वैसे लोग जल्द बिल भुगतान करें। अन्यथा घरों के कनेक्शन काट दिए जाएंगे।

राजकीय बैद्यनाथ महोत्सव का हुआ भव्य उद्घाटन

संवाददाता

देवघर : सोमवार को जिले में तीन दिवसीय राजकीय बैद्यनाथ महोत्सव, 2026 (16, 17 एवं 18 मार्च) का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा, पुलिस अधीक्षक सौरभ, देवघर नगर निगम महापौर रवि राउत, मधुपुर नगर परिषद् अध्यक्ष दरक्शां परवीन, देवघर नगर निगम उपमहापौर टीप चटर्जी व जनप्रतिनिधियों ने सयुंक्त रूप से किया।
कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त श्री लकड़ा ने मंचासीन सभी विशिष्ट अतिथिगण, कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों, देवघर के प्रबुद्ध नागरिक, पत्रकार बंधु एवं देवघर की पावन धरती पर पधारे हुए सभी श्रद्धालुजन, कलाकारों का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। आगे उन्होंने कहा कि आप सभी का राजकीय बैद्यनाथ महोत्सव के इस भव्य एवं पावन अवसर पर हृदय से स्वागत और अभिनंदन करता हूँ। देवघर की यह पुण्यभूमि केवल एक शहर नहीं, बल्कि आस्था, अध्यात्म और संस्कृति का संगम है। यहाँ स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम, जो भारत के द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक है, सदियों से करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र रहा है। हर वर्ष महाशिवरात्रि और श्रावणी मेला के दौरान देश-विदेश से लाखों भक्त यहाँ आकर भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं और अपनी श्रद्धा अर्पित करते हैं। ऐसे में राजकीय बैद्यनाथ महोत्सव का आयोजन केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह देवघर और झारखंड की समृद्ध परंपरा, कला, संगीत, लोकसंस्कृति और अध्यात्म को एक मंच पर प्रस्तुत करने का सुंदर प्रयास है। इस महोत्सव के माध्यम से हम अपनी लोककलाओं, परंपराओं, संगीत, नृत्य और सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का कार्य कर रहे हैं। देवघर और झारखंड की धरती विविध संस्कृतियों और लोकपरंपराओं से समृद्ध रही है। यहाँ की लोककलाएँ, लोकगीत, आदिवासी नृत्य, शिल्पकला और पारंपरिक उत्सव हमारी पहचान हैं। इस महोत्सव में देश के विभिन्न हिस्सों से आए कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे, जिससे सांस्कृतिक आदान-प्रदान को भी बढ़ावा मिलेगा। साथ ही यह महोत्सव पर्यटन, स्थानीय कला, हस्तशिल्प और स्व-रोजगार को भी प्रोत्साहित करता है। इससे न केवल हमारी सांस्कृतिक पहचान मजबूत होती है बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बल मिलता है। मैं इस अवसर पर आयोजन से जुड़े सभी विभागों, कलाकारों, स्वयंसेवकों और सहयोगियों और मीडिया बंधुओं को हार्दिक बधाई देता हु जिन्होंने इस महोत्सव को सफल बनाने के लिए अथक परिश्रम किया है। अंत में मैं यही कामना करता/करती हूँ कि बाबा बैद्यनाथ की कृपा हम सभी पर बनी रहे, और यह महोत्सव हमारी सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने का एक सशक्त माध्यम बनता रहे।

स्थानीय कला के साथ लोक कलाओं को मिलेगा बढ़ावा : उपायुक्त

महोत्सव के दौरान उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी श्री लकड़ा ने कहा कि भारत में लोक कला और संस्कृति की एक समृद्ध परंपरा रही है, और राजकीय बैद्यनाथ महोत्सव के माध्यम से उन पारंपरिक लोक नृत्य विधाओं का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। साथ ही महोत्सव का उद्देश्य स्थानीय कलाकारों के अलावा लोक कलाओं को बढ़ावा देना और लोक कलाकारों को एक मंच प्रदान करना है, ताकि वे अपनी कला को और अधिक लोगों तक पहुंचा सकें और लोगों को अपने संस्कृति से रूबरू कराया जा सके। आगे उन्होंने कहा देवघर में पर्यटन के क्षेत्र में राज्य सरकार द्वारा कार्य किया जा रहा है, ताकि देवघर को मुख्य पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जायेगा। साथ ही उपायुक्त ने सभी का आभार प्रकट करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से आयोजित राजकीय बैद्यनाथ महोत्सव एक नई ऊंचाईयों को छुएगा।
राजकीय बैद्यनाथ महोत्सव के पहले दिन कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से लोगों का मनमोहा
राजकीय बैद्यनाथ महोत्सव के दौरान सभी विशिष्ट अतिथि को शॉल व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावे महोत्सव की शुरूआत गणेश वंदना के साथ की गयी, जिसके पश्चात सबसे पहले झारखंड की वीरता, परंपरा और सांस्कृतिक पहचान का सशक्त प्रतीक पाइका नृत्य से जुड़ी प्रस्तुति से लोगों का मनमोहा। ज्ञात हो कि यह एक 'मार्शल' लोक नृत्य है, जिसमें नर्तक एक हाथ में तलवार और दूसरे हाथ में ढाल लेकर युद्ध कौशल का प्रदर्शन करते हैं। साथ ही कलाकार रंग-बिरंगे झिलमिलाते वस्त्र पहनते हैं। उनके सिर पर मोर पंख लगी पगड़ी और पैरों में घुंघरू इस नृत्य की शोभा बढ़ाते हैं और ढोल, नगाड़ा, शहनाई और नरसिंह जैसे पारंपरिक वाद्ययंत्रों की गूँज नृत्य में एक अद्भुत ऊर्जा भर देती है। इसके बाद धनंजय नारायण खवाड़े ग्रुप, संजीव परिहस्त ग्रुप, हर्षप्रीत कौर एवं ग्रुप और अंत में अजित-मनोज के भक्तिपूर्ण भजनों ने सब का मन मोहा। साथ ही राजकीय बैद्यनाथ महोत्सव का आयोजन 16 से 18 मार्च तक चलेगा, जिसमें स्थानीय, राज्यस्तरीय कलाकारों के साथ बॉलीवुड के कलाकारों द्वारा अपनी प्रस्तुति दी जाएगी।
कार्यक्रम में जिले के उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा, नगर आयुक्त रोहित सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी राहुल कुमार भारती, जिला योजना पदाधिकारी मुकेश कुमार, जिला खेल पदाधिकारी संतोष कुमार एवं जिला स्तर के अधिकारी व कर्मी आदि उपस्थित थे।

गुमला के डीडीसी दिलेश्वर महतो को मिला आईएएस में पदोन्नति

योजनाओं को धरातल पर उतारने में हमेशा रहे हैं सफल

बिनय मिश्रा

अधिकारी अगर कर्मठ और जनप्रिय हों तो विकास कार्य ही उनकी सशक्त पहचान होती है और इसी की मजबूत कड़ी का दिलेश्वर महतो उदाहरण हैं।
गुमला जिला में डीडीसी के रूप में पदस्थापना उपलब्धि भरी रही है बल्कि विकास कार्यों को धरातल पर उतारना उनका लक्ष्य रहा और वे इसमें सफल रहे। वर्तमान समय में झारखंड राज्य में झारखंड प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को आईएएस में पदोन्नति मिली जिसमें दिलेश्वर महतो शामिल हैं। उनकी माता श्रीमती शारदा देवी अपने पुत्र के आईएएस बनने पर काफी खुश हैं और अपने पुत्र की सफलता पर गौरवान्वित भी
माता श्रीमती शारदा देवी और पिता स्वर्गीय चौधरी महतो के सुपुत्र दिलेश्वर महतो बुंडू के ग्रामीण क्षेत्र ग्राम छोटकोलमा पोस्ट एदलहातु के रहने वाले हैं। ग्रामीण परिवेश में पले बढ़े उनकी प्रारंभिक शिक्षा मिडिल स्कूल एदलहातु बुंडू से हुई थी उसके बाद उन्होंने दसवीं की परीक्षा एस एस हाई स्कूल खूंटी से दी। उन्होंने इंटर साइंस मारवाड़ी कॉलेज रांची से किया और रांची कॉलेज से बीएससी ऑनर्स फिजिक्स में किया। 1995 में उन्होंने बीपीएससी से बिहार प्रशासनिक सेवा में क्वालीफाई किया और 1996 में गुमला जिला का डिप्टी कलेक्टर(प्रशिक्षण के दौरान) पदस्थापित रहे।
वे काफी संवेदनशील पदाधिकारी है एवं असहाय, लाचार और पीड़ित लोगों से उनका प्रगाढ़ संबंध रहा है एवं उनके सुख-दुख में वे हमेशा शामिल रहे हैं। ये ग्रामीण पृष्ठभूमि से जुड़े रहने के कारण स्थानीय समस्याओं को बेहतर ढंग से समझते हैं। ग्रामीण पृष्ठभूमि के श्री महतो प्रशासनिक अधिकारी जमीनी हकीकत, स्थानीय समस्याओं की गहरी समझ, सहानुभूति और संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रहे हैं।
अपने 30 वर्षों के विभिन्न प्रशासनिक दायित्यों
यथा - एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट एसडीम एलआरडीसी डायरेक्टर डिप्टी सेक्रेटरी जॉइंट सेक्रेटरी, डीडीसी गुमला का निर्वहन करते हुए प्रोन्नति के उपरांत पुनः उन्होंने वर्तमान समय में गुमला में उप विकास आयुक्त के पदभार ग्रहण किया है।
ऐसे आईएएस अधिकारी से जिला और राज्य गौरवान्वित होता है।

समय- समय की बात

बिनय मिश्रा

भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी एंव बिहार के लोकप्रिय एवं उपलब्धि भरे कार्यों के लिए पहचाने जाने वाले डीजीपी पद पर रह चुके गुप्तेश्वर पांडेय वर्तमान समय में अध्यात्मिक एवं कथा वाचक के रूप में अपनी सशक्त पहचान बनाई है और काफी लोकप्रिय भी हैं। श्री पांडेय अविभाजित बिहार के समय रांची के लोकप्रिय वरीय पुलिस अधीक्षक भी रह चुके हैं। वो उस समय से ही कवि ह्दय और संवेदनशील और मानवता के प्रति समर्पित रहने वाले पुलिस अधिकारी के रूप में पहचाने जाते थे। श्री पांडेय कभी अस्त्र संचालित विभाग में थे और अब वे शास्त्र के साथ दिखाई पड़ते हैं इसे ही कहते हैं समय समय की बात।

बोधि सोसाइटी के निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए आलोक रंजन बरुआ

जमशेदपुर : बोधि सोसाइटी जमशेदपुर का चुनाव रविवार को साकची स्थित कार्यालय में हुआ। कुल 21 पदों के लिए चुनाव हुआ। यह पहला मौका था, जब सभी पदाधिकारी से लेकर कमेटी मेंबर तक निर्विरोध चुने गए। चुनाव बिना किसी प्रतिद्वंद्विता के निर्विरोध जीत के साथ संपन्न हुआ और नई समिति का गठन किया गया। इसमें 21 लोगों के नामांकन के बाद कोई प्रतिद्वंद्वी नहीं होने से एक पक्ष को विजयी घोषित किया गया। पदाधिकारियों और सदस्यों के नाम : अध्यक्ष आलोक रंजन बरुआ, उपाध्यक्ष तपन बरुआ, अरूप बरुआ चौधरी, सुबीर बरुआ, जनरल सेक्रेटरी साधन बरुआ, सह सचिव दीपक रंजन बरुआ, सुमन बरुआ, कोषाध्यक्ष स्वपन बरुआ, कार्यकारी सदस्य मानवेन्द्र बरुआ, स्वपन बरुआ (मानगो), देवदास बरुआ, अधिराज बरुआ, सत्यजीत बरुआ, मितुन बरुआ, सुमित बरुआ, विजय सिन्हा, रिंटू चौधरी, अजय चौधरी, सुब्रता बरुआ, माधुरी बरुआ, मानसी बरुआ।

एकलव्य विद्यालयों में स्थानीय छात्रों के लिए 50 फीसदी सीटें सुरक्षित

संवाददाता

जमशेदपुर : पूर्वी सिंहभूम सहित कोल्हान प्रमंडल के एकलव्य विद्यालयों में होने वाले नामांकन को लेकर नियमावली जारी कर दी गई है। इसके तहत जिस प्रखंड में एकलव्य विद्यालय संचालित है, वहां के 50 प्रतिशत बच्चों का नामांकन लेना है। इसके बाद 30 प्रतिशत सीटों पर नामांकन जिले भर के बच्चों का होगा। शेष 20 प्रतिशत सीटें दूसरे जिलों के बच्चों से भरी जाएंगी। कल्याण विभाग के क्षेत्रीय उपनिदेशक (आरडीडी) ने जिला कल्याण पदाधिकारी को इस आशय का निर्देश जारी किया है। इस बीच नामांकन के लिए ली गई परीक्षा का परिणाम तैयार करने का काम तेजी से चल रहा है। आईटीडीए भवन के सभागार में 20 शिक्षकों को कॉपी जांच में लगाया गया है। उम्मीद की जा रही है कि 20 मार्च तक कॉपी जांच कर रिजल्ट जारी कर दिया जाएगा। एकलव्य विद्यालय में सिर्फ छठी कक्षा में नामांकन होना है। वैसे उसमें प्लस टू की पढ़ाई होगी। खास बात यह है कि यह विद्यालय सिर्फ आदिवासी बच्चों के लिए है। दरअसल, जिले में पिछले साल से ही एकलव्य विद्यालय शुरू हुए हैं। फिलहाल जिले में चार एकलव्य विद्यालय हैं। इनमें बहरागोड़ा स्थित एकलव्य विद्यालय सिर्फ लड़कियों के लिए है, जबकि धालभूमगढ़, डुमरिया और पोटका प्रखंड में खुले एकलव्य विद्यालय लड़कों के लिए बने हैं।9 मार्च को 8 केंद्रों पर हुई थी परीक्षा9 मार्च को आठ परीक्षा केन्द्रों पर प्रवेश परीक्षा ली गई थी, जिसमें 4045 बच्चे शामिल हुए। एकलव्य में कुल 1712 बच्चों को शामिल होना था, हालांकि 93 अनुपस्थित रहे थे। परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण रही थी। एकलव्य आवासीय विद्यालयों में बच्चों की शिक्षा पूरी तरह निःशुल्क है। इसमें बच्चों को कुछ भी लेकर आने की जरूरत नहीं है। उन्हें स्कूल ड्रेस, हॉस्टल में पहनने के कपड़े, जूता-चप्पल, दैनिक इस्तेमाल की वस्तुएं और चार बार पौष्टिक आहार दिया जाता है।

एक वोट से जीतकर अंकुर सिंह बने डिप्टी मेयर, कहा

क्षेत्र का विकास रहेगा प्राथमिकता

संवाददाता

सरायकेला : आदित्यपुर नगर निगम के डिप्टी मेयर पद के लिए हुआ चुनाव बेहद रोमांचक मोड़ पर समाप्त हुआ. कशमकश भरे इस चुनावी मुकाबले में अंकुर सिंह ने अपनी प्रतिद्वंद्वी अर्चना सिंह को मात्र एक वोट के अंतर से पराजित कर डिप्टी मेयर की कुर्सी अपने नाम की. जीत के तुरंत बाद सरायकेला डीसी ऑफिस सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मेयर संजय सरदार ने नवनिर्वाचित डिप्टी मेयर अंकुर सिंह को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई.
विकास और वेस्ट मैनेजमेंट रहेगा प्राथमिकताः मेयर
निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान कुल 35 वार्ड पार्षदों ने हिस्सा लिया. गुप्त मतदान के बाद हुई गिनती में मुकाबला काफी नजदीकी रहा है. जिसमें अंकुर सिंह को 18 वोट और अर्चना सिंह को 17 वोट मिले और अंकुर सिंह एक वोट से जीत दर्ज की. शपथ ग्रहण के बाद मेयर संजय सरदार ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देना उनकी पहली प्राथमिकता है. उन्होंने विशेष रूप से क्षेत्र की साफ-सफाई और पेयजल समस्याओं को दुरुस्त करने पर बल दिया.नवनिर्वाचित डिप्टी मेयर अंकुर सिंह ने अपने संबोधन में एक बड़ा लक्ष्य साझा किया. उन्होंने कहा आदित्यपुर नगर निगम को झारखंड में वह मुकाम अब तक नहीं मिल पाया है, जिसका यह हकदार है. उनकी प्राथमिकता आदित्यपुर को राज्य के अग्रणी निगमों में शामिल करना और यहां के वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम (कचरा प्रबंधन) को पूरी तरह दुरुस्त करना है. अंकुर सिंह ने आगे कहा कि वे मेयर के दिशा-निर्देशों के अनुरूप विकास की गति को तेज करने के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे.प्रशासनिक मुस्तैदी पूरी चुनाव प्रक्रिया भारी सुरक्षा और प्रशासनिक सतर्कता के बीच संपन्न हुई. राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि केवल एक वोट के अंतर से मिली यह जीत सदन के भीतर भविष्य में होने वाली राजनीतिक सक्रियता का संकेत है. शपथ ग्रहण के बाद समर्थकों ने फूल-मालाओं के साथ नए डिप्टी मेयर का भव्य स्वागत किया.